संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-20 अंक- 297
पृष्ठ 8
बुधवार
17 जुलाई 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बिना केमिकल के नेचुरल...

विचार- ट्रम्प पर हमलाः हिंसामुक्त हो राजनीति

खेल- घरेलू क्रिकेट को लेकर बीसीसीआई...

टली शिक्षकों की डिजिटल हाजिरी

● झुकी सरकार, गठित होगी कमेटी
● कमेटी देगी सुझाव तो होगा फैसला

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के उस फैसले के खिलाफ सरकारी शिक्षक लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे थे जिसमें उसने डिजिटल अटेंडेंस सिस्टम को अनिवार्य कर दिया था,शिक्षकों के विरोध प्रदर्शन के आगे यूपी की योगी सरकार झुक गई हैं और उसने डिजिटल अटेंडेंस सिस्टम को दो महीने के लिए स्थगित कर दिया है। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने आदेश जारी कर दिया है। सरकार ने फैसला लिया कि विशेषज्ञ समिति बनाई जाएगी जो अगले दो महीनों में शिक्षकों के मुद्दों पर विचार–विमर्श कर आगे की रणनीति तय करेगी। मुख्य सचिव के साथ आज मंगलवार को शिक्षक संगठनों की बैठक हुई जिसमें प्रमुख सचिव बेसिक शिक्षा शानमुगम सुंदरम, डीजी स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा भी मौजूद रहीं। शिक्षक संघों में महिला शिक्षक संघ के अध्यक्ष सुलोचना मौर्या के अलावा प्राथमिक शिक्षक संघ के दिनेश शर्मा, जूनियर शिक्षक संघ समेत कई अन्य शिक्षक नेता मौजूद रहे।बैठक में मुख्य सचिव ने डिजिटल अटेंडेंस को स्थगित कर अफसरों और शिक्षक संघ के पदाधिकारियों को शामिल कर कमेटी गठन कर निर्णय लेने के निर्देश दिए हैं। उत्तर प्रदेश के सरकारी प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों के हजारों शिक्षकों ने बेसिक शिक्षा परिषद के डिजिटल अटेंडेंस सिस्टम को लागू करने के फैसले के खिलाफ विरोध जताया था। विरोध के जवाब में बेसिक शिक्षा विभाग का कहना था कि शिक्षकों आश्वासन दिया कि शिक्षक 30 मिनट तक देरी से अपनी उपस्थिति दर्ज करा सकते हैं और देरी का कारण बताना होगा। इससे शिक्षकों की चिंता पूरी तरह से दूर नहीं हुई थीं और उन्होंने अपना विरोध जारी रखा।शिक्षकों का तर्क था कि दूरदराज के गांवों में खराब इंटरनेट कनेक्टिविटी के कारण ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करना मुश्किल हो जाता है। बरसात के मौसम में, कई स्कूलों में पानी भर जाता है, जिससे समय पर उपस्थिति दर्ज कराना और भी मुश्किल हो जाता है। शिक्षकों को डर था कि देरी से पहुंचने पर अनुपस्थित माना जाएगा और उनकी छुट्टियां काट ली जाएंगी। कई संगठनों ने कहा कि डिजिटल उपस्थिति का सरकारी आदेश 'अव्यावहारिक' है क्योंकि शिक्षक उपस्थिति दर्ज कराने के लिए हर दिन समय पर स्कूल नहीं पहुंच सकते। स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर ने आदेश जारी कर शिक्षकों और कर्मचारियों को 8 जुलाई से डिजिटाइज रजिस्टर ऐप पर स्थान के साथ वास्तविक समय की उपस्थिति दर्ज करने का निर्देश दिया था।

पिछड़ा वर्ग की विरोधी रही कांग्रेस:अमित शाह

● बोले – जातिवाद और भ्रष्टाचार के सिवाय उसने कुछ नहीं दिया

चंदीगढ़, एजेंसी। हरियाणा फिलहाल राजनीति के केंद्र में है। इसका बड़ा कारण ये है कि आने वाले महीनों में यहां विधानसभा के चुनाव होने हैं। यही कारण है कि लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के बाद सत्तारूढ़ भाजपा राज्य में अपनी चुनावी तैयारियों में जुट गई है। इसी कड़ी में आग दिग्गज भाजपा नेता तथा केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने हरियाणा के महेंद्रगढ़ में 'पिछड़ा वर्ग सम्मान' सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान शाह ने भाजपा सरकार के कामकाज को गिनवाया और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। अपने संबोधन के शुरूआत में साह ने कहा कि हरियाणा के पिछड़ा वर्ग ने हमेशा भाजपा को आशीर्वाद दिया है। उन्होंने कहा कि अब भाजपा का कर्तव्य बनता है कि जितना आपने किया है, उससे ज्यादा कार्य करके हम आपके पास आएं। शाह ने कहा कि नायब सिंह जी की कैबिनेट ने तीन निर्णय लिए हैं –क्रीमी लेयर की लेयर की सीमा 6 लाख से बढ़ाकर 8 लाख कर दी गई है। इन 8 लाख में तनख्वाह और कृषि की आय भी नहीं गिनी जाएगी। अब हर बच्चे को OBC का फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा कि अब तक पंचायतों में जो रिजर्वेशन था, उसको भी बदलने का फैसला लिया गया है। पंचायतों में अब तक 8: रिजर्वेशन ग्रुप । के लिए था, उसके साथ 5: रिजर्वेशन ग्रुप ठ के लिए भी आज से शुरू हो जाएगा। इससे हरियाणा की जनता के एक बहुत बड़े हिस्से को आरक्षण का फायदा मिलेगा। इसके साथ ही शाह ने कहा कि म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में 8 प्रतिशत आरक्षण जस का तस रहेगा और ग्रुप ठ को 5: आरक्षण ज्यादा मिलेगा। ये तीनों निर्णय प्रधानमंत्री मोदी जी की नीतियों को लागू करने वाले हैं। भाजपा नेता ने कहा कि 2014 में नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद पूरे देश को कहा था कि मेरी ये सरकार दलितों, गरीबों और पिछड़ों की सरकार है। देश को पहला सशक्त पिछड़े वर्ग का प्रधानमंत्री देने का काम भाजपा ने किया है। 71 में से 27 मंत्री पिछड़े वर्ग से देकर नरेन्द्र मोदी जी ने हरियाणा और देश के व्ठ का सम्मान करने का काम किया है। विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा से पिछड़ा वर्ग की विरोधी रही है। उन्होंने कहा कि 1957 में व्ठ रिजर्वेशन के लिए काका कालेलकर कमीशन बना, लेकिन कांग्रेस ने सालों तक इसे लागू नहीं किया। 1980 में इंदिरा गांधी जी ने मंडल कमीशन को ठंडे बस्ते में डाल दिया। 1990 में जब लाया गया, तब राजीव गांधी ने 2 घंटे 43 मिनट तक भाषण करके व्ठ के रिजर्वेशन का विरोध किया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने व्ठ कमीशन को संवैधानिक मान्यता देकर आपको संवैधानिक अधिकार देने का काम मोदी के नेतृत्व में किया।

डोडा में विदेशी आतंकियों के साथ मुठभेड़ में सेना के चार जवान शहीद

जम्मू, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर के डोडा जिले में विदेशी आतंकवादियों को खत्म करने के लिए पुलिस के साथ संयुक्त और समन्वित अभियान के दौरान एक कैप्टन समेत चार सैन्यकर्मी शहीद हो गये। सेना ने मंगलवार को यह जानकारी दी। जम्मू स्थित रक्षा मंत्रालय के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) सुनील बर्तवाल ने कहा कि सोमवार रात 8.40 बजे एक खोज दल ने डोडा क्षेत्र से 10 किमी उत्तर में उरारबग्गी में आतंकवादियों को छिपे हुए होने की सूचना पर अभियान शुरू किया। वह इलाका घने जंगलों वाला और पहाड़ी क्षेत्र है और बादलों व बारिश के कारण दृश्यता सीमित है। उन्होंने कहा,"शुरुआती गोलीबारी में, सेना के चार जवान घायल हो गए, जिन्होंने बाद में दम तोड़ दिया। आतंकवादियों को खदेड़ने के लिए अतिरिक्त सैनिक और उपकरण बुलाए गए एवं ड्रोन तथा अन्य तकनीकी संसाधनों का उपयोग सुनिश्चित किया जा रहा है। शहीद सैनिक हैं : कैप्टन ब्रिजेश थापा, नायक डी राजेश, सिपाही बिजेंद्र और सिपाही अजय।" पीआरओ ने कहा,"सेना उन विदेशी आतंकवादियों को खत्म करने के लिए जम्मू–कश्मीर पुलिस के साथ संयुक्त और समन्वित अभियान चला रही है, जो घुसपैठ कर चुके हैं तथा उधमपुर, डोडा, किश्तवाड़ एवं भद्रवाह जिलों के ऊपरी इलाकों और उसके बाद कश्मीर घाटी की ओर बढ़ रहे हैं।" उन्होंने कहा कि इसी तरह के ऑपरेशन कठुआ क्षेत्र में लगातार चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा,"हाल के दिनों में कई ऑपरेशनों के परिणामस्वरूप 26 जून को गंदोह में तीन आतंकवादियों को मार गिराया गया, साथ ही 11 जून को छत्तर गली आतंकवादी हमले को भी सफलतापूर्वक विफल कर दिया गया।" उन्होंने कहा,"मृत आतंकवादियों के पास से बरामद बड़ी मात्रा में युद्ध जैसे भंडार के विश्लेषण से सीमा पार की शुरुआती एजेंसियों का हाथ होने का पता चलता है।" इस बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पोस्ट किया,"मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। राष्ट्र हमारे सैनिकों के परिवारों के साथ दृढ़ता से खड़ा है जिन्होंने कर्तव्य के दौरान अपने जीवन का बलिदान दिया है। आतंकवाद विरोधीअभियान चल रहे हैं, और हमारे सैनिक आतंकवाद के संकट को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं तथा क्षेत्र में शांति एवं व्यवस्था बहाल करें।" जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने भी ड्यूटी के दौरान सेना के जवानों की मौत पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, "डोडा जिले में हमारे सेना के जवानों और जेकेपी कर्मियों पर कायरतापूर्ण हमले के बारे में जानकर मुझे गहरा दुख हुआ है। हमारे राष्ट्र की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि। शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएँ।" उन्होंने कहा,"हम अपने सैनिकों की मौत का बदला लेंगे और आतंकवादियों और उनके सहयोगियों के नापाक मंसूबों को नाकाम कर देंगे।

21 जुलाई को सरकार ने बुलाई सर्वदलीय बैठक, राहुल हो सकते हैं शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद का बजट सत्र 22 जुलाई से शुरू हो रहा है। मोदी सरकार के लिए दोबारा सत्ता में आने के बाद यह पहली बड़ी परीक्षा होगी। यही कारण है कि केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू संसद के बजट सत्र से पहले संसद के दोनों सदनों में राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ बैठक करेंगे। सर्वदलीय बैठक 21 जुलाई को सुबह 11 बजे मुख्य समिति कक्ष, संसदीय सौध, दिल्ली में होगी। संसद का बजट सत्र 22 जुलाई को शुरू होगा और सरकारी कामकाज की अत्यावश्यकताओं के अधीन, सत्र 12 अगस्त को समाप्त हो सकता है। विशेष रूप से, यह बैठक महत्वपूर्ण है क्योंकि यह विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की पहली अपेक्षित उपस्थिति है। बैठक का उद्देश्य आगामी सत्र के लिए प्रमुख एजेंडों और रणनीतियों पर चर्चा करना है। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस के सूत्रों ने पुष्टि की कि बैठक में पार्टी का प्रतिनिधित्व नहीं होगा। उन्होंने 21 जुलाई को शहीद दिवस के रूप में उद्धृत किया, जो 1993 में कोलकाता पुलिस गोलीबारी की घटना के दौरान दुखद रूप से मारे गए 13 कांग्रेस समर्थकों की याद में हर साल मनाया जाता है। यह घटना पश्चिम बंगाल में सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाली वाम मोर्चा सरकार के तहत राज्य सचिवालय, राइटर्स बिल्डिंग तक मार्च के दौरान हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल का पहला केंद्रीय बजट (2024–25) वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को लोकसभा में पेश करेंगी। संसद सत्र एक दिन पहले शुरू होगा और 12 अगस्त को समाप्त होगा।

राजनाथ ने चार सैनिकों के शहीद होने पर दुख व्यक्त किया

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जम्मू कश्मीर के डोडा जिले में सोमवार रात आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में चार सैनिकों के शहीद होने पर गहरा दुख व्यक्त किया है। श्री सिंह ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, "डोडा में आतंकवाद रोधी अभियान के दौरान सेना के चार बहादुर सैनिकों के मारे जाने पर बहुत दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं । कर्तव्य की वेदी पर सर्वोच्च बलिदान देने वाले इन सैनिकों के परिवारों के साथ राष्ट्र मजबूती के साथ खड़ा है। आतंकवाद रोधी अभियान जारी है और हमारे सैनिक आतंकवाद का सफाया कर क्षेत्र में शांति और व्यवस्था कायम करने के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ हैं।" मुठभेड़ में सेना के एक अधिकारी सहित चार सैनिक शहीद हुए हैं। इससे पहले रक्षा मंत्री ने सुबह सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र त्रिवेदी से बात कर आतंकवाद रोधी अभियान के बारे में जानकारी ली थी।

सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में पहली बार, मणिपुर से मिलेंगे 2 जज

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति ने जस्टिस एन कोटिस्वर सिंह और आर महादेवन को सुप्रीम कोर्ट का जज नियुक्त किया है। उनके शपथ लेने के बाद, शीर्ष अदालत मुख्य न्यायाधीश सहित 34 की अपनी स्वीकृत शक्ति पुनः प्राप्त कर लेगी। नियुक्ति के बाद, जम्मू–कश्मीर के मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति एन कोटिस्वर सिंह शीर्ष अदालत में नियुक्त होने वाले मणिपुर के पहले न्यायाधीश बन जाएंगे। न्यायमूर्ति महादेवन वर्तमान में मद्रास उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश हैं। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सिंह और आर महादेवन की नियुक्ति की घोषणा की। केंद्र सरकार से जम्मू–कश्मीर उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति एन कोटेश्वर सिंह और मद्रास उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति आर महादेवन को सर्वोच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की थी।

पूजा खेडकर को 7प्रतिशत विकलांगता प्रमाणपत्र जारी किया गया : पुणे अस्पताल

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र कैडर की आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर को लेकर शुरु हुआ विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। विवादास्पद प्रोबेशनरी आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर को विकलांगता प्रमाण पत्र यशवंतराव चव्हाण मेमोरियल अस्पताल ने जारी किया था। ये जानकारी समाचार एजेंसी एएनआई ने दी है। एजेंसी के अनुसार अस्पताल (वाईसीएमएच) के डीन डॉ. राजेंद्र वाबले ने कहा कि विवादास्पद अधिकारी को विकलांगता प्रमाण पत्र अस्पताल से जारी हुआ था। इसमें उनके बाएं घुटने में 7% चलने–फिरने में अक्षमता का उल्लेख किया गया था। डॉ. राजेंद्र वाबले ने कहा, ष्अगस्त 2022 में वाईसीएम अस्पताल द्वारा उसे विकलांगता प्रमाण पत्र जारी किया गया था। सरकार द्वारा दिए जाने वाले लाभों का लाभ उठाने के लिए बेंचमार्क विकलांगता 40% है। उसे शारीरिक परीक्षण के बाद प्रमाण पत्र जारी किया गया था। उसके बाएं घुटने में 7% की लोकोमोटर विकलांगता थी। बता दें कि उस समय पुणे में तैनात खेडकर ने कथित तौर पर एक अलग केबिन और कार की मांग की थी, जो अन्य विशेषाधिकारों के अलावा साथी आईएएस अधिकारी प्रशिक्षुओं को भी उपलब्ध नहीं थे।

आप को दफ्तर के लिए जगह दीजिए, दिल्ली एचसी ने केंद्र को दिया आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में अपने पार्टी कार्यालय के लिए सामान्य पूल से अस्थायी आधार पर एक आवास इकाई आवंटित करने के आम आदमी पार्टी (आप) के अनुरोध पर निर्णय लेने के लिए केंद्र को पर निर्णय लेने का निर्देश दिया था। केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के संपदा निदेशालय ने उच्च न्यायालय के समक्ष एक आवेदन दायर कर अदालत द्वारा 5 जून के आदेश में पारित निर्देशों का पालन करने के लिए चार सप्ताह का समय बढ़ाने की मांग की। पक्ष और केंद्र द्वारा की गई दलीलों को सुनने के बाद, न्यायमूर्ति संजीव नरूला की एकल न्यायाधीश पीठ ने कहा कि प्रस्तुतियों पर विचार करने के बाद, चूंकि अदालत के निर्देशों का पालन करने के लिए आवेदक (संपदा निदेशालय) को पहले ही पर्याप्त समय दिया जा चुका है, चार सप्ताह का समय बढ़ाने का अनुरोध स्वीकार नहीं किया जा सकता. हालाँकि, समग्र तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए समय अवधि 25 जुलाई तक बढ़ा दी गई है।

25 जुलाई तक का समय दिया। 4 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने आप को राउज़ एवेन्यू में अपना कार्यालय 15 जून तक खाली करने के लिए कहा क्योंकि विचाराधीन भूमि न्यायिक बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए आवंटित की गई थी। 5 जून को उच्च न्यायालय ने केंद्र को छह सप्ताह के भीतर अस्थायी आवास के लिए पार्टी के अनुरोध

मणिपुर–त्रिपुरा में हिंसा की घटनाएं प्रायोजित : कांग्रेस

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि पूर्वोत्तर के मणिपुर और त्रिपुरा अशांति बनी हुई है और वहां हिंसा की घटनाएं प्रायोजित रूप से हो रही हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. अजय कुमार ने मंगलवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि वहां की हिंसा प्रायोजित है और वहां जानबूझकर हिंसा और आतंकवाद का माहौल पैदा किया जा रहा है। उन्होंने कहा "वहां हो रही हिंसा प्रायोजित है। भाजपा इस देश को ऐसे कगार पर ले जा रही है, जहां से लौटना बहुत मुश्किल हो जाएगा। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं पर लगातार हमले हो रहे हैं। मणिपुर की हिंसा से इनका मन नहीं भरा इसलिए अब ये त्रिपुरा में भी वही हालात पैदा कर रहे हैं।" कांग्रेस नेता ने कहा कि वहां पंचायत चुनाव से पहले हिंसा हो रही है, इसलिए इसे वहां शांति का माहौल स्थापित हो यह जिम्मेदारी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की है।

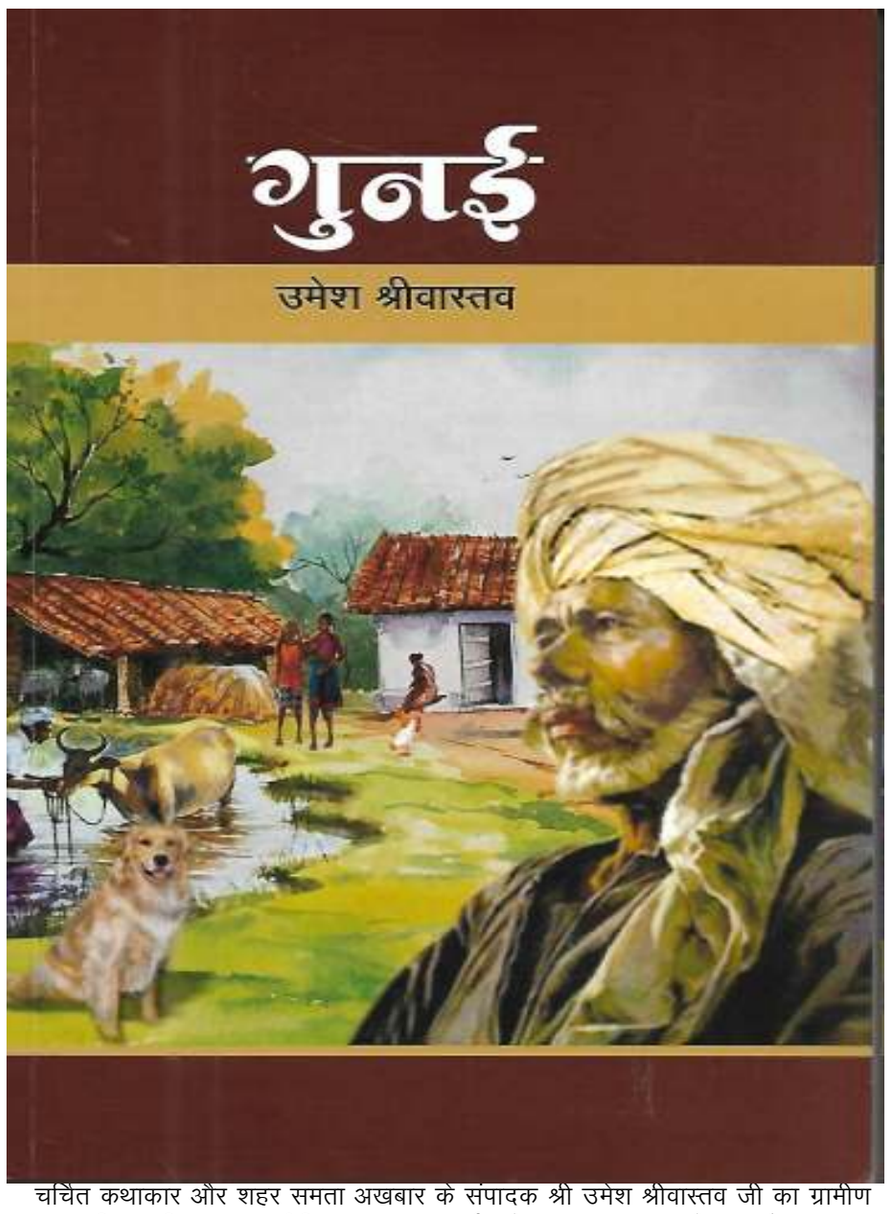

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

अखाड़ा परिषद से 13 महामंडलेश्वर और संत निष्कासित

धार्मिक कार्य की बजाय धनार्जन में जुटे थे, महाकुंभ से बैन हुए, 112 को नोटिस

प्रयागराज। संगम के तट पर आयोजित होने वाले महाकुंभ–2025 को लेकर सिर्फ शासन–प्रशासन ही नहीं, बल्कि साधु–संत भी सक्रिय हो गए हैं। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद लगातार ऐसे साधु–संतों को चिह्नित करने में जुटा है, जो धार्मिक कार्यों के बजाय धनार्जन और अन्य दूसरी गतिविधियों में लिप्त हैं। गोपनीय जांच के बाद परिषद ने ऐसे 13 महामंडलेश्वर और संत निष्कासित कर दिए हैं। वहीं, 112 संतों को नोटिस थमाया गया है। अगर ये सही जवाब नहीं देते हैं, तो इन्हें भी निष्कासित कर दिया जाएगा। निष्कासित किए गए महामंडलेश्वर और संत निष्कासित अखाड़ों की आंतरिक जांच में खरे नहीं उतरे। इसके बाद यह एक्शन लिया गया। निष्कासित हुए महामंडलेश्वर और संत महाकुंभ के लिए बैन हो गए हैं। इन्हें कुंभ में एंट्री नहीं मिलेगी।

30 सितंबर तक जवाब देना होगा : करीब 112 के संतों को नोटिस देकर जवाब मांगा गया है। जिन्हें नोटिस मिली है, उन्हें 30 सितंबर तक जवाब देना होगा। संतोषजनक जवाब न मिलने पर निष्कासन की कार्रवाई की जाएगी। ऐसे संतों को महाकुंभ–2025 में प्रवेश नहीं मिलेगा। अखाड़े सनातन धर्मावलंबियों की आस्था व समर्पण का केंद्र हैं। मौजूदा समय 13 अखाड़े हैं। उन्हें अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के माध्यम से संगठित किया गया है।

जांच में देखा गई एक्टिविटी

अखाड़े से जुड़े संतों में कोई दोष न आए इसके लिए दो–तीन वर्ष के अंतराल पर समस्त अखाड़े अपने महामंडलेश्वर, मंडलेश्वर, महंत, श्रीमहंतों की कार्यप्रणाली की गोपनीय जांच करवाते हैं। जांच अखाड़े के पदाधिकारी करते हैं। इसमें उनका रहन–सहन, कार्यप्रणाली, किस प्रकार के लोगों से संबंध हैं? देखा जाता है। अपेक्षा के अनुरूप कार्यप्रणाली न मिलने पर नोटिस देकर जवाब मांगा जाता है, जिनमें ज्यादा दोष मिलता है उन्हें तत्काल अखाड़े से निष्कासित कर दिया जाता है। अप्रैल महीने में यह जांच शुरू की गई थी। जांच अभी भी जारी है। अब तक जूना अखाड़ा ने 54, श्री निरंजनी अखाड़ा ने

24, निर्मोही अनी अखाड़ा ने 34 संतों को नोटिस दिया है। इसमें 13 महामंडलेश्वर, 24 मंडलेश्वर सहित महंत शामिल हैं। निर्मोही अनी अखाड़ा के अध्यक्ष व अखाड़ा परिषद (महानिर्वाणी गुट) के महामंत्री श्रीमहंत राजेंद्र दास ने आधा दर्जन संतों को अखाड़े से निष्कासित किया है। इसमें नासिक के महामंडलेश्वर जयनेंद्रानंद दास, चेन्नई के महामंडलेश्वर हरेंद्रानंद, अहमदाबाद के महंत राम दास, उदयपुर के महंत अवधूतानंद, कोलकाता के महंत विजयेश्वर दास शामिल हैं। इनके अलावा नासिक के 8, उज्जैन के 7, हरिद्वार के छह, द्वारिका के 10 व रांची के एक संत को नोटिस देकर जवाब मांगा गया है। वहीं, श्री निरंजनी अखाड़ा ने महामंडलेश्वर मंदाकिनी पुरी को निष्कासित करके उनके खिलाफ पुलिस की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। इनके अलावा सात संतों को निष्कासित किया गया है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद व श्री नरंजनी अखाड़ा के अध्यक्ष श्रीमहंत रवींद्र पुरी ने कहा– 6 संतों की आंतरिक जांच में कई महामंडलेश्वर और संत खरे नहीं उतरे। निरंजनी अखाड़ा की महामंडलेश्वर मंदाकिनी पुरी को निष्कासित करके पुलिस की कार्रवाई कराई गई है। जो गलत होगा, उसके खिलाफ आगे भी कार्रवाई होगी। अखाड़े से निष्कासित लोगों को महाकुंभ–2025 में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमहंत नारायण गिरी ने कहा– संतों की कार्यप्रणाली की जांच चल रही है। कुछ की स्थिति संदेहास्पद हैं, उन्हें नोटिस देकर जवाब मांगा गया है। उचित जवाब न मिलने पर निष्कासित किया जाएगा।

पंच परमेश्वर करते हैं महामंडलेश्वर का फैसला

हर अखाड़े का संचालन अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, उप सचिव, मंत्री, उप मंत्री, कोतवाल, थानापति आदि पदाधिकारियों के जरिए होता है। अखाड़े में 15–20 वर्ष समर्पित भाव से काम करने वाले पदाधिकारी बनाए जाते हैं। इनका चयन चुनाव के जरिए होता है। वहीं, पांच वरिष्ठ व विद्वान सदस्यों को पंच परमेश्वर की उपाधि दी जाती है। अखाड़े के आश्रम, मठ–मंदिर, गुरुकुल का संचालन यही करते हैं। महामंडलेश्वर किसे बनाना है किसे नहीं? उसका निर्णय यही लेते हैं। अखाड़ों के पदाधिकारी व पंच समस्त संतों पर नजर रखते हैं। जिन संतों की शिकायत मिलती है और उनकी गतिविधि संदेहास्पद रहती है। वहां संबंधित अखाड़े के सचिव, मंत्री, संयुक्त मंत्री स्तर के पदाधिकारी को भेजा जाता है। जहां का मामला होता है, वहां 15 से 20 दिन प्रवास करते हैं। बाहर रहकर सारी जानकारी एकत्र करते हैं। फिर संदिग्ध संत के आश्रम में कुछ दिनों तक प्रवास करके समस्त गतिविधियों पर नजर रखते हैं। इसके बाद रिपोर्ट अखाड़े के प्रमुख को देते हैं। इस रिपोर्ट को अखाड़े के पंच परमेश्वर के समक्ष रखा जाता है। सारे पहलुओं पर चर्चा करने के बाद निष्कासन अथवा नोटिस देने की कार्रवाई की जाती है।

साहब जिला बदर न करें, अब थाने में लगाएंगे हाजिरी

प्रयागराज कमिश्नरेट कोर्ट ने 4 को थाने में हाजिरी का दिया आदेश, अपना रिकॉर्ड खुद बताएंगे

प्रयागराज। गुंडा एक्ट के मामलों में प्रयागराज में 1900 से अधिक मामले लंबित हैं। पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा सुनवाई कर मामलों को निटाने में जुटे हैं। यही वजह है कि कमिश्नरेट कोर्ट के हाईकोर्ट के बड़े बड़े वकील सुनवाई में शामिल होने लगे हैं। न्यायालय पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज ने सोमवार को गुंडा एक्ट के एक दर्जन से अधिक मामलों की सुनवाई की। कोर्ट में गहमागहमी रही। हालांकि कुछ मामलों में राहत के साथ आयुक्त ने उत्तर प्रदेश गुंडा नियंत्रण अधिनियम के तहत तीन लोगों को छह माह तक हर महीने थाने में हाजिरी लगाने का आदेश दिया जबकि एक आरोपी को तीन महीने तक हर 15 दिन में थाने में हाजिरी लगानी होगी। न्यायालय में पेश हुए कई आरोपियों ने गुहार लगाई कि उन्हें जिला बदर न करें।

सबने कहा माफ करें, थाने में जाऊंगा : पुलिस कमिश्नर की सुनवाई में 16 से अधिक मामले पेश हुए। इनमें से आदेश हुआ कि तौकीर अहमद उर्फ बिच्छी पुत्र नफीस अहमद निवासी ग्राम पूरे अच्छई फूलपुर को थाना बहरिया में हाजिरी लगानी होगी। ओम शिव विश्वकर्मा पुत्र सुरेश विश्वकर्मा निवासी जियाराम का पुरवा बारा खास को बारा थाने में, संजीव पाण्डेय उर्फ संजू पुत्र राजबहादुर निवासी गिरधरपुर गोडवा को होलागढ़ थने में 6 माह की अवधि तक प्रत्येक माह में एक बार जाकर बयान देना होगा। इसी प्रकार दिलवर यादव पुत्र देवसरन यादव निवासी ग्राम पिडौना थाना फूलपुर को थाना सिविल लाइंस में 3 माह की अवधि तक प्रत्येक 15 दिवस में एक बार उपस्थिति दर्ज कराने का आदेश पारित किया गया।

प्रयागराज में शुरू हुई मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब

मौके पर ही होगी खाने वाली चीजों में मिलावट की जांच, सैंपल लेकर अधिकारी तुरंत रिपोर्ट बनाएंगे

प्रयागराज। खाद्य सामाग्रियों में मिलावट की जांच अब तत्काल मौके पर ही हो जाएगी। प्रयागराज में भी इसकी शुरूआत हो चुकी

है। यहां मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब की व्यवस्था हो गई है। अधिकारी शिकायत पर या नियमित जांच के लिए इस चलते फिरते लैब को साथ लेकर चल सकते हैं। कल सोमवार को जिलाधिकारी नवनीत सिंह चहल ने कलेक्ट्रेट परिसर मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब करे हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम इसका प्रयोग करेगी।

मिठाई से लेकर सरसों के तेल की होगी जांच

सहायक आयुक्त (खाद्य) सुशील कुमार सिंह ने बताया कि मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब के द्वारा मिल्क व मिल्क प्रोडक्ट्स एवं अन्य खाद्य पदार्थों जैसे–सरसों का तेल, हल्दी, मसाले, मिठाईयों में स्टार्च, डिटर्जेन्ट, माल्टो डेक्सट्रिन, अमोनियम सल्फेट इत्यादि की जांच मौके पर ही की जाएगी। खाद्य कारोबारियों एवं आमजनमानस को जागरूक एवं प्रशिक्षित किया जाएगा। मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब के वाहन का नियमित भ्रमण होता रहेगा।

प्रयागराज के छिवकी स्टेशन पर बनेगा स्लीपिंग पॉड

हाइटेक सुविधा के साथ ठहरने की व्यवस्था, मार्केट प्राइज पर ही मिलेगा सामान

प्रयागराज। प्रयागराज जंक्शन के बाद अब छिवकी रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के स्लीपिंग पॉड बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। यात्री सस्ते दामों में रात में ठहर सकेंगे। संबद्ध मंडल रेल प्रबंधक हिमांशु बडोनी के नेतृत्व में प्रयागराज मंडल में यात्री सुविधाओं को बढ़ाया जा रहा है। प्रमुख स्टेशनों पर रेल कोच रेस्टोरेन्ट, वेटिंग हॉल, स्मार्ट पार्किंग, स्लीपिंग पॉड, डारमेट्री, एग्जीक्यूटिव लाउंज जैसी यात्री सुवधाओं का विकास किया जा रहा है। स्टेशन पर सभी श्रेणी के यात्रियों को उच्च कोटि की सुविधाएं दी जाएंगी। ई–आक्शन के माध्यम से मण्डल के प्रयागराज छिवकी रेलवे स्टेशन पर बीओटी मॉडल (बिल्ड ऑपरेट मेंटेन एंड ट्रांसफर) पर स्लीपिंग पॉड, डॉरमेट्री एवं एग्जीक्यूटिव लाउंज के निर्माण, रख रखाव एवं संचालन के लिए निविदा फाइनल की गई है।

8.96 लाख रुपए की आय अर्जित होगी

रेलवे के मुताबिक, विश्व स्तरीय हवाई अड्डे के मानक वाला यह स्लीपिंग पॉड, डॉरमेट्री एवं एग्जीक्यूटिव लाउंज जल्द ही छिवकी रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए होगा। इससे रेलवे को प्रतिवर्ष कुल 8.96 लाख रुपए की आय अर्जित होगी और 15 वर्ष में कुल 2.38 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त होगा। 15 वर्ष की अवधि पूरी होने पर लाइसेंस द्वारा निर्मित एग्जीक्यूटिव लाउंज रेलवे को हस्तांतरित हो जाएगा। विश्व स्तरीय सुविधा वाला बीओटी मॉडल पर आधारित प्रयागराज छिवकी का एग्जीक्यूटिव लाउंज प्रयागराज मण्डल का पहला रेलवे स्टेशन होगा।

छिवकी स्टेशन से रोज 50 गाड़ियां यहां से जनरेट होती है

प्रयागराज छिवकी रेलवे स्टेशन से प्रतिदिन औसतन 50 यात्री गाड़ियों का संचालन होता है। यानि की प्रयगराज मंडल से करीब 50 ट्रेनें रवाना होती हैं। इस वर्ष के अंत तक लाइसेन्सी द्वारा स्लीपिंग पॉड, डॉरमेट्री एवं एग्जीक्यूटिव लाउंज का निर्माण कर लिया जाएगा। जनवरी–2025 से यात्रियों के लिए यह सुविधा शुरू कर दी जाएगी। प्रयागराज छिवकी रेलवे स्टेशन पर आने वाले यात्री बाजार दरों पर स्लीपिंग पॉड व एग्जीक्यूटिव लाउंज में ठहरने एवं उच्च स्तरीय खाने की सुविधा का आनंद ले सकेंगे। स्लीपिंग पॉड, डॉरमेट्री एवं एग्जीक्यूटिव लाउंज में निर्धारित दरों पर पीएडी आइटम, नाश्ता, भोजन, पानी की बोतल, चाय और कॉफी, समाचार पत्र, पत्रिकाएं, किताबें, प्रसाधन सामग्री और ओटीसी दवाएं मिल सकेंगी।

प्रयागराज पुलिस की स्पेशल टीमों को बीएसएफ देगी ट्रेनिंग

महाकुंभ के सिक्योरिटी प्लान पर काम शुरू, इंदौर में होगा प्रशिक्षण

प्रयागराज। प्रयागराज में महाकुंभ मेले की तैयारियां तेज हो गई हैं। सबसे ज्यादा जद्दोजहद कई करोड़ की भीड़ को लेकर की जा रही है। साथ ही सिक्योरिटी प्लान पर खास प्लानिंग हो रही है। हर हालात से निपटने के लिए पुलिसकर्मियों को दक्ष बनाने का सिलसिला शुरू हा गया है। हर प्रकार की ट्रेनिंग पुलिस वालों को दी जाने लगी है। संगम की रेती पर लगने वाले महाकुंभ में करोड़ों की भी को नियंत्रित करने, भगदड़ जैसे हालात न हों इसे लेकर मशक्कत हो रही है।

पुलिस कर्मियों की अलग से होगी ट्रेनिंग : पुलिसकर्मियों को इसके लिए अलग से ट्रेनिंग पर भेजा जाएगा। सबसे अहम तो यह कि महाकुंभ में ड्यूटी करने वाले पुलिसकर्मियों की टीमों को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के केंद्रीय आयुध एवं युद्ध कौशल विद्यालय में ट्रेनिंग दिलाने की तैयारी है। इस ट्रेनिंग सेंटर में बीएसएफ के अधिकारी पुलिसकर्मियों को बालू में भागने, भीड़ को काबू करने, रेत में लोगों को भीड़ के बीच से निकालने, भगदड़ होने के हालात से बचाने, आपदा में कार्रवाई आदि की ट्रेनिंग देंगे। ट्रेनिंग सेंटर में बालू मैपिंग कराके समझाया जाएगा।

अदालती नोटिस

वाद पदों के स्थरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5, नियम 1 और 5)
न्यायालय अपर सिविल जज (कनिष्ठ श्रेणी) कक्ष संख्या 8 इलाहाबाद।

वाद संख्या 861 **सन 1987**
गया प्रसाद **बनाम** **लखपत** आदि
5/5 मुसम्मात अशमी बेगम वर्तमान उक्त 84 साल विधवा गमीउल्ला , निवासी ग्राम बरेठी परगना मह तहसील हण्डिया जिला इलाहाबाद।

चूँकि वादीगण ने आपके खिलाफ के लिए वाद संस्थित किया है अतएव आपको एतदद्वारा आहूत क्या जाता है कि आप या स्वयं ऐसे अधिवक्ता द्वारा जोकि सम्यक रूपेण अनुदिष्ट हैं और वाद सम्बन्धी सब सारवान प्रश्नों के उत्तर देने में समर्थ हैं या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति है जो कि ऐसे सब प्रश्नो के उत्तर देने में समर्थ हैं । 2024 के 07 के 19 दिवस को 10:30 बजे आहूत ने दावे का उत्तर देने के लिए इस न्यायालय में उपसंजाति हो और आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन ऐसे सब दस्तावेजों को पेश करें जिनका कि अपनी प्रतिरक्षा के समर्थन में सहारा लेने का आपका आशय हो।
आपको यह सूचना दी जाती है पूरवर्णित दिवस को आपको उपसंजाति चूँक होने पर वाद आपकी अनुपस्थिति में सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा ।
नियत तिथि - 19/07/2024

न्यायाधीश

प्रयागराज एसटीएफ पेपरलीक में अब चार्जशीट लगाएगी

सुभाष के मोबाइल में था आरओ–एआरओ का पेपर, 16 आरोपियों के मोबाइल, लैपटॉप की वैज्ञानिक जांच

प्रयागराज। देशभर में खलबली मचा देने वाले आरओ–एआरओ पेपर लीक कांड में एसटीएफ प्रयागराज के सिविल लाइंस थाने में दर्ज मुकदमे में चार्जशीट लगाने की तैयारी में है। प्रयागराज में दर्ज मुकदमें में एसटीएफ ने 16 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। इसमें मास्टरमाइंट राजीव नयन मिश्रा भी है। 16 आरोपियों की गिरफ्तारी, पूछताछ, साक्ष्य संकलन में काफी राज खुले हैं। अब एसटीएफ और सिविल लाइंस पुलिस पेपर लीक कांड के आरोपियों के पास से बरामद सामान को वैज्ञानिक साक्ष्यों को कलेक्ट करने के लिए एफएसएल यानि विधि विभान प्रयोगशाला भेज रही है। इसमें सबसे अहम डॉटा आरोपी सुभाष प्रकाश पुत्र योगेन्द्र पंडित निवासी बैरा जयनगर थाना जयनगर जनपद मधुबनी (बिहार) के मोबाइल और लैपटॉप का है। पुलिस और एसटीएफ एफएसएल रिपोर्ट भेज रही है कि सुभाष प्रकाश के मोबाइल डॉटा यानि वाट्सएप चौटिंग, मैसेजिंग, सेंट डॉक्युमेंट रिकवर कर ले।

मास्टरमाइंड राजीव का सबसे खास सुभाष

सुभाष प्रकाश राजीव नयन का सबसे विश्वासपात्र है। पेपर लीक होने के बाद सबसे पहले सुभाष प्रकाश के पास ही पहुंचा

था। इसके बाद उसने मोबाइल के जरिए उसे सेट टार्गेट यानि उन लोगों को भेजा जिनसे मोटी रकम उठाई गई थी। एसटीएफ मान रही है कि लीक पेपर के अंश कई ऐसे हाईप्रोफाइल लोगों यानि अधिकारियों तक को भेजा गया। क्योंकि मोबाइल से काफी कुछ डिलीट किया गया, ऐसे में डॉटा रिकवर से यह पता चल जाएगा कि लीक पेपर कहां, कब, किसके पास भेजा गया। इसके अलावा रुपये ट्रांसफर के लिंक भी सामने आएंगे।

क्या क्या भेज रहे एफएसएल

वैज्ञानिक साक्ष्यों को जमा करने, कड़ियों को जोड़ने और डॉटा रिकवर के लिए सभी आरोपियों के 19 मोबाइल एफएसएल भेजे जा रहे हैं। साथ ही तीन लैपटॉप, दर्जनों लोगों के सर्टिफिकेट, दस्तावेज, सीसीटीवी फुटेज, ऑडियो, वीडियो रिकॉडिंग, बैंकों के दस्तावेज, ऑनलाइन ट्रांजेक्टशन की डिटेल आदि सभी को विधि विभान प्रयोगशाला भेजा जा रहा है।

किन आरोपियों पर चार्जशीट की तैयारी : आरओ–एआरओ परीक्षा में पहले राउंड की गिरफ्तारी

राजीव नयन मिश्रा उर्फ राहुल पुत्र दीनानाथ मिश्रा निवासी बरवा शुकुलपुर थाना मेजा जनपद प्रयागराज

सौरभ शुक्ला पुत्र प्रदीप कुमार शुक्ला निवासी एल–1ध्75 सेक्टर एफ थाना आशियाना जनपद लखनऊ मूल पता शिवचरन का पुरवा मजरा नरियॉवा थाना महेशगंज जनपद प्रतापगढ़।

अरुण कुमार सिंह पुत्र फतेहबहादुर सिंह निवासी खरगापुर प्लॉट नं. 246 एबी थाना गोमतीनगर विस्तार जनपद लखनऊ मूल पता गोपालपुर थाना अंतू जनपद प्रतापगढ़।

डॉ. शरद सिंह पटेल पुत्र नंदलाल सिंह पटेल निवासी कैलाहट थाना चुनार जनपद मिर्जापुर हाल पता– फ्लैट नं 905 लवनेस्ट अपार्टमेंट वृंदावन जनपद लखनऊ।

अमित सिंह पुत्र शिवभूषण सिंह निवासी डी–21/73 इंदिरानगर थाना गाजीपुर जनपद लखनऊ मूल पता पांडे चौरा पूरे वैश्यपुरवा थाना करनैलगंज जनपद गोण्डा।

अर्पित विनीत यशवंत पुत्र सुशील कुमार यशवंत निवासी 54/148बी म्योराबाद थाना कैंट जनपद प्रयागराज।

अभिषेक शुक्ला पुत्र संदीप शुक्ला निवासी 232/30 मक्का बाग राजा बाजार चौक लखनऊ।

कमलेश कुमार पाल उर्फ केके पुत्र राम दुलार पाल निवासी चकचुरावन कमलदीपुर थाना झूंसी जनपद प्रयागराज।

रवि अत्री पुत्र गोरख सिंह निवासी नीमका जेवर जनपद गौतमबुद्धनगर ।

विक्रम पहल पुत्र कंवर सिंह निवासी बराह खुर्द थाना कोतवाली जींद जनपद जींद, हरियाणा।

एसटीएफ ने बाद में की गिरफ्तारी : सुनील रघुवंशी पुत्र रामबाबू रघुवंशी निवासी 39/04 कन्हैया आनन्द नगर अमझीरा थाना बिलखिरिया जनपद भोपाल (म0प्र0) (प्रिटिंग प्रेस कर्मी)

सुभाष प्रकाश पुत्र योगेन्द्र पंडित निवासी बैरा जयनगर थाना जयनगर जनपद मधुबनी (बिहार)

विशाल दूबे पुत्र अरूण कुमार दूबे निवासी ऊँचडीह बाजार थाना मेंजा जनपद प्रयागराज।

संदीप पाण्डेय पुत्र हरिशंकर पाण्डेय निवासी पनासा थाना करछना जनपद प्रयागराज।

अमरजीत शर्मा पुत्र बलेश्वर शर्मा निवासी कस्बा व थाना फतेहपुर जनपद गया (बिहार)

विवेक उपाध्याय पुत्र स्व0 रामायण उपाध्याय निवासी सोनबरसा थाना बैरिया जनपद बलिया।

इससे पहले एकाउंट कराए थे फ्रीज

एसटीएफ और पुलिस ने साक्ष्य जुटाने के बाद मास्टरमाइंड राजीव नयन मिश्र समेत 16 आरोपियों के बैंक खातों की डिटेल निकाल शिकंजा कसा था। एसटीएफ ने अब तक 24 एकाउंट को फ्रीज कर दिया था। इन खातों में लाखों की रकम का ट्रांजेक्शन हुआ है। आरोपियों के साथ ही उनके रिश्तेदार, करीबियों के बैंग एकाउंट फ्रीज किए गए हैं। इतना ही नहीं करीब 21 एकाउंट जांच के दायरे में हैं। इन खातों के जरिए लाखों की रकम इधर उधर की गई।

दो जगह से गैंग ने पेपर लीक किया था। गैंग के सदस्यों से पूछताछ में पता चला है कि मास्टरमाइंड राजीव नयन मिश्रा समेत अन्य साथियों ने अपने करीबियों के बैंक के खाते के जरिए किया था। हालांकि एसटीएफ ने तेजी से कार्रवाई करते हुए 24 बैंक खातों को फ्रीज कर दिया है।

इसमें एसबीआई, एचडीएफसी, बैंक ऑफ बड़ौदा, पीएनबी, बैक ऑफ महाराष्ट्र, आईसीआई, पंजाब एंड सिंध बैंक आदि के एकाउंट शामिल हैं। मास्टरमाइंड राजीन नयन के बैंक एकाउंट की जांच से साफ हुआ है कि उसने कई महिला करीबी के खातों में रकम ट्रांसफर कराई थी। इसे लेकर जांच हो रही है।

अदालती नोटिस

हेतु सदर्शित करने की सूचना (साधारण प्रारूप)
न्यायालय अपर जिला जज ई.सी.एक्ट इलाहाबाद

प्रकीर्ण अपील संख्या 75 **सन 2021**
1. सरिता देवी पत्नी रविशंकर , **2.त्रिलोकी नाथ , 3.बैकुंठ नाथ,** पुत्रगण स्व.श्याम नारायण , निवासीगण शिवपुर, लेहड़ी, पोस्ट अमिलिया कला , टप्पा 84 , तहसील मेजा जिला प्रयागराज । **...वादीगण**

बनाम

अन्नपूर्णा देवी पत्नी स्व. राजकिशोर निवासी शिवपुर, लेहड़ी, पोस्ट अमिलिया कला , टप्पा 84 , तहसील मेजा जिला प्रयागराज । **...प्रतिवादी**

चूँकि ऊपर नमोकित ने इस न्यायालय से यह आवेदन किया है कि अतएव आपको एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के खिलाफ हेतु सदर्शित करने के लिए **2024 के 07 के 26 दिवस को 2 बजे पूर्वाह्न** में स्वयं या सम्यक रूपेण अनदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हों और ऐसा करने में असफल होने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा ।
ता.पेशी 26/07/2024

न्यायाधीश

संक्षिप्त

कर्नाटक ने कर्मचारियों के वेतन में 27प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी की घोषणा की

कर्नाटक सरकार ने सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों के बाद अपने कर्मचारियों के वेतन में पर्याप्त वृद्धि को मंजूरी दी। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस निर्णय की पुष्टि की गई और यह निर्णय 1 अगस्त से प्रभावी होगा। कर्मचारियों के वेतन में 27.5प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा कि यह लोगों की मांगों में से एक थी और इससे राज्य के करीब 14 से 15 लाख कर्मचारियों को फायदा होगा। सातवां वेतन आयोग लोगों की मांगों में से एक था और यह हमारे घोषणापत्र में भी था। इसे लेकर प्रियांक खड़गे ने कहा, ष्कल हमने इसे कैबिनेट में रखा और वित्तीय खाका देखा। इससे करीब 14 से 15 लाख राज्य कर्मचारियों को फायदा होगा। पीटीआई के अनुसार पूर्व मुख्य सचिव के सुधाकर राव की अध्यक्षता में गठित सातवें वेतन आयोग ने सरकारी कर्मचारियों के मूल वेतन में 27.5 प्रतिशत की वृद्धि का सुझाव दिया था। इससे सरकारी खजाने पर सालाना 17,440.15 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ने की उम्मीद है, लेकिन कर्नाटक राज्य सरकारी कर्मचारी संघ द्वारा अगस्त में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने की बात कहने के बाद सिद्धारमैया सरकार पर वेतन वृद्धि को मंजूरी देने का दबाव था। मामले से जुड़े सूत्रों ने पीटीआई–भाषा को बताया, मार्च 2023 में तत्कालीन मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कर्मचारियों को अंतरिम 17 प्रतिशत वेतन वृद्धि दी थी, जिसमें सिद्धारमैया प्रशासन 10.5 प्रतिशत अंक की वृद्धि जोड़ने की संभावना है, जो सातवें वेतन आयोग की सिफारिश के अनुसार मूल वेतन में 27.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी।

देश भर में 17 जुलाई को मनाई जाएगी मुहर्रम, जानें क्या स्टॉक मार्केट में होगा काम

देश भर में 17 जुलाई यानी बुधवार को मुहर्रम के कारण भारतीय शेयर बाजार बंद रहेंगे। मुहर्रम इस्लामी कैलेंडर के पहले महीने की शुरुआत का प्रतीक है। इक्विटी सेगमेंट, इक्विटी डेरिवेटिव सेगमेंट और एसएलबी सेगमेंट 17 जुलाई को पूरे दिन बंद रहेंगे। बुधवार को मुद्रा डेरिवेटिव खंड और कमोडिटी डेरिवेटिव खंड भी पूरे दिन बंद रहेंगे। हालांकि,

कमोडिटी डेरिवेटिव सेगमेंट और इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स (ईजीआर) सेगमेंट 17 जुलाई को सुबह 9रू00 बजे से शाम 5रू00 बजे तक केवल दिन के पहले भाग में ही बंद रहेंगे। इन खंडों में कारोबार शाम के सत्र में 5:00 बजे से 11:30 बजे/11:55 बजे तक फिर से शुरू होगा। भारतीय शेयर बाजार में कारोबार का समय सप्ताह के दिनों में सुबह 9:15 बजे से अपराह्न 3:30 बजे तक है। नियमित कारोबारी दिनों में प्री–ओपन मार्केट सुबह 9:00 बजे शुरू होता है और 9:07 बजे बंद हो जाता है। सप्ताहांत में शेयर बाजार बंद रहते हैं।

बैंक भी रहेंगे बंद

मुहर्रम के मौके पर कुछ राज्यों में बैंक बंद रहेंगे। त्रिपुरा, मिजोरम, महाराष्ट्र, कर्नाटक, एमपी, तमिलनाडु, हैदराबाद, तेलंगाना, राजस्थान, जम्मू, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, नई दिल्ली, पटना, छत्तीसगढ़, झारखंड, मेघालय और हिमाचल प्रदेश में बैंक बंद रहेंगे।

सेबी की चेतावनी के बाद पेटीएम के शेयर में गिरावट, कंपनी ने कहा– नहीं हुआ कोई असर

पेटीएम कंपनी के शेयरों में गिरावट देखने को मिली है। ये गिरावट मंगलवार 16 जुलाई को दिखी है। इसके पीछे कारण बताया गया है कि पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से कंपनी को चेतावनी पत्र मिला है। इसके बाद पेटीएम के शेयर की कीमत में लगभग दो प्रतिशत की गिरावट आई है। फिनटेक प्रमुख पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस को वित्त वर्ष 22 के लिए कंपनी या उसकी सहायक कंपनियों द्वारा पेटीएम पेमेंट्स बैंक के साथ किए गए संबंधित पार्टी लेनदेन के संबंध में सेबी से प्रशासनिक चेतावनी पत्र मिलने के बाद बीएसई पर पेटीएम के शेयर 1.88: गिरकर 460.80 रुपये पर आ गए। सेबी ने कहा कि उल्लंघनों को बहुत गंभीरता से लिया गया है। इसलिए, आपको भविष्य में

सावधान रहने और भविष्य में ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति से बचने के लिए अपने अनुपालन मानकों में सुधार करने की चेतावनी दी जाती है, ऐसा न करने पर कानून के अनुसार उचित प्रवर्तन कार्रवाई शुरू की जाएगी। सेबी की चेतावनी के जवाब में पेटीएम ने कहा कि उसने सभी लिस्टिंग विनियमनों का लगातार पालन किया है, जिसमें समय के साथ इन विनियमों में कोई भी संशोधन और अद्यतन शामिल है। कंपनी ने कहा कि वह उच्चतम अनुपालन मानकों को बनाए रखने और प्रदर्शित करने के लिए प्रतिबद्ध है और सेबी को एक विस्तृत जवाब प्रस्तुत करेगी। पेटीएम ने कहा, ष्कंपनी का मानना घ्है कि उसने सेबी लिस्टिंग विनियमन के विनियमन 4(1)(एच) के साथ विनियमन 23 के अनुपालन में लगातार काम किया है, जिसमें समय के साथ इन विनियमों में कोई भी संशोधन और अपडेट शामिल है। कंपनी उच्चतम अनुपालन मानकों को बनाए रखने और प्रदर्शित करने के लिए प्रतिबद्ध है, और सेबी को अपना जवाब भी प्रस्तुत करेगी। उपर्युक्त पत्र के अनुसार कंपनी की वित्तीय, परिचालन या अन्य गतिविधियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

घरेलू क्रिकेट को लेकर बीसीसीआई का फरमान, रोहित–कोहली और बुमराह को छोड़कर सभी को खेलना होगा Domestic Cricket

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने स्पष्ट किया है कि स्टार क्रिकेटरों को भी राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने से फ्री होने पर घरेलू मैचों के लिए उपलब्ध रहना होगा। हालांकि, रोहित शर्मा, विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ियों को छूट दी जाएगी, इसका फैसला वे खुद करेंगे कि खेलना है या नहीं।

घरेलू क्रिकेट को नजरअंदाज करना खिलाड़ी को भारी पड़ सकता है। इससे पहले भी घरेलू क्रिकेट को नजरअंदाज करने पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड यानी बीसीसीआई ने इशान किशन और श्रेयस अय्यर पर कड़ा एक्शन लिया था। इस साल की शुरुआत में दोनों खिलाड़ियो को बोर्ड ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से बाहर कर दिया था। बोर्ड इसे लेकर नरमी के मूड में नहीं है। हालांकि, कुछ खिलाड़ियों को इससे छूट देने का भी फैसला किया है। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, बीसीसीआई सचिव जय शाह ने स्पष्ट किया है कि स्टार क्रिकेटरों को भी राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने से फ्री होने पर घरेलू मैचों के लिए उपलब्ध रहना होगा। हालांकि, रोहित शर्मा, विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ियों को छूट दी जाएगी, इसका फैसला वे खुद करेंगे कि खेलना है या नहीं।

दलीप ट्रॉफी खेलना होगा

बीसीसीआई चाहेगा कि इन तीनों खिलाड़ियों के अलावा अन्य सभी टेस्ट खेलने वाले खिलाड़ी अगस्त में बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट मैचों से पहले दलीप ट्रॉफी के कम से कम एक या दो मैच खेलें। दलीप ट्रॉफी के लिए क्षेत्रीय चयन समित के बजाय राष्ट्रीय चयन समिति ही चयन करेगी। बांग्लादेश और न्यूजीलैंड से टेस्ट सीरीज घरेलू सरजमीं पर होनी है। वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप फाइनल के लिहाज से दोनों सीरीज अहम होंगी। इसके अलावा साल के आखिर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी जाना है। पीटीआी ने बीसीसीआई के सूत्र के हवाले से बताया कि, इस बार दलीप ट्रॉफी के लिए कोई क्षेत्रीय चयन समिति नहीं है। केवल राष्ट्रीय चयन समिति ही दलीप टीमों का चयन करेगी। सभी टेस्ट टीम के दावेदारों का चयन किया जाएगा। रोहित, विराट और बुमराह अपना फैसला खुद ले सकते हैं।

हरभजन सिंह, युवराज सिंह और सुरेश रैना मुश्किलों में फंसे, दिव्यांगों का मजाक उड़ाने के बाद हुई FIR

इस वीडियो ने तब लोगों को नाराज कर दिया जब भारतीय पैरालंपिक समुदाय ने माफी की मांग की। समुदाय ने क्रिकेटरों पर शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के प्रति असंवेदनशील होने का आरोप लगाया। वीडियो पोस्ट करने के बाद नई दिल्ली के अमर कश्वलोनी पुलिस स्टेशन में क्रिकेट खिलाड़ियों के खिलाफ शिकायत भी दर्ज करवाई गई है।

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है। इस वीडियो में पूर्व भारतीय खिलाड़ी हरभजन सिंह, युवराज सिंह और सुरेश रौना कथित तौर पर दिव्यांगों का मजाक उड़ाते देखे जा रहे है। ये वीडियो वायरल होने के बाद खिलाड़ियों द्वारा दिव्यांगों का मजाक बनाए जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है।

नेशनल काउंसिल फॉर प्रमोशन ऑफ एम्प्लॉयमेंट फॉर डिसेबल्ड पीपल (एनसीपीईडीपी) के कार्यकारी निदेशक अरमान

अली ने विश्व कप चौंपियन के खिलाफ भारत में 10 करोड़ से अधिक दिव्यांग लोगों का 'अपमान' करने और उनका मजाक उड़ाने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। भारत के चौंपियंस ने 13 जुलाई को इंग्लैंड के बर्मिंघम में वर्ल्ड चौंपियंस ऑफ लीजेंड्स 2024 (डब्ल्यूसीएल) के फाइनल में पाकिस्तान के चौंपियंस को 5 विकेट से हरा दिया। मैच के बाद, पूर्व भारतीय क्रिकेटरों हरभजन सिंह, युवराज सिंह और अन्य ने हाल ही में रिलीज़ हुई बॉलीवुड फिल्म बैड न्यूज़ में अभिनेता विक्की कौशल द्वारा गाए गए नए गाने श्तौबा तौबाश पर नाचते हुए खुद का एक वीडियो पोस्ट किया। हालांकि, इस वीडियो ने तब लोगों को नाराज कर दिया जब भारतीय पैरालंपिक समुदाय ने माफी की मांग की। समुदाय ने क्रिकेटरों पर शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के प्रति असंवेदनशील होने का आरोप लगाया। वीडियो पोस्ट करने के बाद नई दिल्ली के अमर कॉलोनी पुलिस स्टेशन में क्रिकेट खिलाड़ियों के खिलाफ शिकायत भी दर्ज करवाई गई है। शिकायत के अनुसार, इंस्टाग्राम पर सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम तोड़ने का आरोप लगाया गया है।

हरभजन सिंह ने मांगी माफी

प्रतिक्रिया के जवाब में, हरभजन ने वायरल वीडियो को हटा दिया और सोशल मीडिया पर माफ़ी मांगते हुए कहा कि इसका उद्देश्य किसी को चोट पहुँचाना नहीं था और यह केवल यह दिखाने के लिए एक मज़ाक था कि 15 दिनों तक क्रिकेट खेलने से उनके शरीर पर क्या प्रतिक्रिया होती है। अंत में, पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने प्रशंसकों को यह स्पष्ट करने के बाद कि वायरल वीडियो में उन्होंने जो कुछ भी किया, वह जानबूझकर किसी को नुकसान पहुंचाने के लिए नहीं किया गया था, स्थिति शांत होने की उम्मीद जताई।

दिल्ली कैपिटल्स ने रिजेक्ट की सौरव गांगुली की हेड कोच के लिए दावेदारी, फ्रेंचाइजी ढूंढ रही गौतम गंभीर...

दिल्ली कैपिटल्स ने रिकी पोंटिंग के साथ अपना करार खत्म कर दिया है। ऐसे में दिल्ली कैपिटल्स को आईपीएल 2025 के सीजन के लिए नए हेड कोच की तलाश है। टीम के साथ सौरव गांगुली भी मौजूद हैं, लेकिन दिल्ली कैपिटल्स उन्हें हेड कोच की जिम्मेदारी नहीं सौंपने वाली। यहां तक कि खुद सौरव गांगुली टीम के हेड कोच बनने के इच्छुक हैं, लेकिन दिल्ली कैपिटल्स के मालिक किसी ऐसे शख्स की तलाश कर रहे हैं जो गौतम गंभीर जैसा हो। सौरव गांगुली अभी तक हेड कोच की भूमिका में नजर नहीं आए हैं। वे क्रिकेट छोड़ने के बाद ज्यादातर समय प्रशासन में रहे हैं, जबकि आईपीएल में वे मेंटर और अन्य भूमिकाओं में रहे हैं। यहां तक वे दिल्ली कैपिटल्स फ्रेंचाइजी के ग्लोबल क्रिकेट डायरेक्टर हैं। उन्होंने बंगाली न्यूजपेपर आजकल को दिए इंटरव्यू में इसकी इच्छा जाहिर की है कि वे हेड कोच बनने के लिए तैयार हैं, लेकिन दिल्ली कैपिटल्स किसी अन्य दिग्गज की तलाश में है। न्यूज 18 की रिपोर्ट के अनुसार, डीसी गांगुली को ड्यूल रोल यानी डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट और हेड कोच के तौर पर नहीं देखना चाहती। वे इस समय दिल्ली कैपिटल्स प्स्ज्20 में डीसी की सिस्टर फ्रेंचाइजी दुबई कैपिटल्स और एसए20 लीग में प्रिटोरिया कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक हैं। एक सूत्र ने कहा कि, गांगुली के पास पहले से ही बहुत सारे काम हैं। क्रिकेट निदेशक के रूप में फ्रेंचाइजी के लिए कई चीजों की योजना बनाना उनका काम है।

रोहित–विराट के संन्यास पर बोले विक्रम राठौर, गिल–जायसवाल को लेकर भी की बड़ी भविष्यवाणी

टीम इंडिया के पूर्व बैटिंग कोच विक्रम राठौर को अच्छे से पता है कि आने वाले समय में टीम इंडिया को ट्रांसिशन के मुश्किल दौर का सामना करना है। राठौर ने हालांकि, ये भी कहा कि टीम इंडिया के पास जिस तरह से युवा खिलाड़ी हैं, उससे टीम को बदलाव के दौर से निपटने में सक्षम है। इस दौरान इस पूर्व टेस्ट क्रिकेटर ने ये भी कहा कि हालांकि, बदलाव के दौर नियंत्रित तरीके से धीरे–धीरे होना चाहिए। विराट कोहली और रोहित शर्मा फिलहाल वनडे इंटरनेशनल और टेस्ट क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे लेकिन अगले कुछ सालों में बदलाव का दौर आएगा जब ये अपने करिर के आखिरी चरण में होंगे।

अब राशन की तरह घर बैठे मंगा सकेंगे शराब, Swiggy, Big Basket, Zomato, Blinkit ने शुरू की तैयारी

घर बैठे अब तक लोग खाना, राशन या कपड़े आदि मंगाते आए है। मगर अब जल्द ही घर बैठे लोग महंगी शराब भी ऑर्ड कर सकेंगे। स्विगी, बिगबास्केट और जोमैटो जैसे प्लेटफॉर्म अब बीयर, वाइन से लेकर लिकर

जैसे कम अल्काहोल वाले ड्रिंक्स की डिलीवरी करने की शुरुआत करने जा रही है। इकोनॉमिक टाइम्स ने उद्योग जगत के अधिकारियों के हवाले से बताया कि नई दिल्ली, कर्नाटक, हरियाणा, पंजाब, तमिलनाडु, गोवा और केरल जैसे राज्य इस संबंध में पायलट परियोजनाओं पर विचार कर रहे हैं। आउटलेट के अनुसार, अधिकारियों ने कहा कि अधिकारी इस कदम के फायदे और नुकसान पर विचार कर रहे हैं। वर्तमान में, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में शराब की होम डिलीवरी की अनुमति है। रिपोर्ट के अनुसार, एक अधिकारी ने कहा, ष्यह विशेष रूप से बड़े शहरों में बढ़ती प्रवासी आबादी की जरूरतों को पूरा करने के लिए है, उन उपभोक्ताओं की बदलती प्रोफ़ाइल को ध्यान में रखते हुए जो मध्यम मात्रा में अल्कोहल युक्त शराब को भोजन के साथ मनोरंजन के रूप में पीते हैं, और महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए है, जो पारंपरिक शराब की दुकानों और दुकान के सामने के अनुभवों से खरीदारी को अप्रिय मानते हैं। ऑनलाइन मॉडल शुरू से अंत तक लेनदेन रिकॉर्ड, आयु सत्यापन और सीमाओं का पालन सुनिश्चित करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, स्विगी के कॉरपोरेट मामलों के उपाध्यक्ष दिनकर वशिष्ठ ने कहा, ष्इसके अलावा, ऑनलाइन तकनीक नियामक और उत्पाद शुल्क आवश्यकताओं के साथ तालमेल बिठाती है, जिससे समय, ड्राई डे और जोनल डिलीवरी सुरक्षा का पालन सुनिश्चित होता है।

सम्पादकीय.....

मां-बाप की सुध

यह विडंबना है कि हमारे सामाजिक ताने-बाने में तेजी से आए बदलाव के बीच वृद्ध माता-पिता की देखभाल की जिम्मेदारी से मुंह मोड़ने की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। अदालतों में गुजारा-भत्ते से जुड़े विवाद बड़ी संख्या में सामने आ रहे हैं। यही वजह है कि केंद्र सरकार वृद्ध माता-पिता की देखभाल के लिये बाध्य करने वाले 2007 के कानून में बदलाव लाकर, इसका दायरा बढ़ाने के मकसद से नये कानून लाने की तैयारी में है। माता-पिता और बुजुर्गों की देखभाल से जुड़े वर्षों पुराने कानून को प्रभावी व व्यावहारिक बनाने की कोशिश है। पहले वृद्ध माता-पिता अपनी संतानों से दस हजार रुपये तक का गुजारा भत्ता पाने के हकदार थे। बताया जा रहा है कि नये विधेयक के अनुसार अब माता-पिता का गुजारा भत्ता बच्चों की आर्थिक हैसियत से तय होगा। वहीं बच्चों के साथ कटुता कम करने के प्रयासों में माता-पिता व बुजुर्गों को त्यागने अथवा दुर्व्यवहार पर बच्चों को दी जाने वाली सजा में कमी करने की तैयारी है। सामाजिक संगठनों से विमर्श में यह बात सामने आई थी कि लंबी सजा से माता-पिता और बच्चों के संबंधों में ज्यादा खटास बढ़ती है। कहा जा रहा है कि सरकार बजट सत्र में इस विधेयक को पेश कर सकती है। दरअसल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने बुजुर्गों की देखभाल से जुड़े 2007 के कानून में बदलाव की पहल तब की, जब समाज में बुजुर्गों की अनदेखी व दुर्व्यवहार के मामले तेजी से बढ़े हैं। दरअसल, नये विधेयक में इससे जुड़े कानून की व्यावहारिक दिक्कतों को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि, मंत्रालय ने कानून में बदलाव की पहल वर्ष 2019 में कर दी थी। इसी साल लोकसभा में एक विधेयक भी पेश किया गया था। इसके व्यापक पहलुओं की पड़ताल के लिये विधेयक को बाद में संसदीय समिति के पास भेज गया था। संसदीय समिति की सिफारिशों के आधार पर सरकार ने एक बार फिर एक विधेयक को संसद में पेश किया था। लेकिन वह पारित नहीं हो पाया था। कालांतर 17वीं लोकसभा का कार्यकाल खत्म होने के कारण विधेयक निष्प्रभावी हो गया था। जिसके बाद अब सरकार नये सिरे से इस विधेयक को संसद में लाने की तैयारी में है। उल्लेखनीय है कि इस विधेयक में कई नये प्रावधानों को जोड़ा गया है। एक ओर जहां गुजारा भत्ते के सीमित दायरे को खत्म किए जाने का प्रावधान है, वहीं विगत में आए बच्चों की सजा बढ़ाने के प्रस्ताव को टाला गया है। अब इसे सिर्फ प्रतीकात्मक तौर पर ही रखा जाएगा। वहीं गुजारा भत्ता देने की जवाबदेही का विस्तार करते हुए अब पात्र बच्चों के दायरे में दामाद, पुत्रवधु,नाती-पोते, पोती-नातिन व अल्पवयस्क बच्चों के विधिक अभिभावकों को भी शामिल किया गया है। अब तक इस जवाबदेही के दायरे में बेटा-बेटी व दत्तक बेटा-बेटी ही शामिल थे। इसके अलावा विधेयक में प्रत्येक जिले में बुजुर्गों की गणना, मेडिकल सुविधाओं से लैस वृद्ध आश्रम व जिला स्तर पर एक सेल गठित करने जैसे प्रावधान हैं।

ट्रम्प पर हमला: हिंसामुक्त हो राजनीति

एजेंसी

ट्रम्प वर्तमान में तो दुनिया के सबसे ताकतवर पद को नहीं सम्हाल रहे हैं परन्तु एक बार वे राष्ट्रपति रह चुके हैं। बहुत मुमकिन है कि वे इस बार फिर से अपनी पार्टी के प्रत्याशी हो सकते हैं जिसका उन्होंने दावा पेश कर ही दिया है और उन्हें उनकी पार्टी में बड़ा समर्थन भी है।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति एवं आगामी चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के सम्भावित प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रम्प पर हमला बहुत चिंताजनक है। निन्दनीय तो है ही। भारतीय समयानुसार सुबह 4 बजे उन पर तब गोलियां चलाई गईं जब वे पेन्सिलवानिया राज्य के बटलर शहर में अपने समर्थकों को सम्बोधित कर रहे थे। वह अमेरिका की शनिवार की शाम थी। एक युवा ने उन पर ताबड़तोड़ तकरीबन 8 गोलियां चलाईं जिनमें से एक उनके दांये कान को छूती हुई निकल गयी जिसके कारण उनका चेहरा लहूलुहान हो गया। हालांकि ट्रम्प ने बेहद फुर्ती व समझदारी से स्वयं को पोडियम के नीचे बैठकर सुरक्षित कर लिया। सुरक्षाकर्मियों ने भी त्वरित एक्शन लेते हुए उन्हें पहले सुरक्षा दी फिर उन्हें कार में बिठाकर अस्पताल पहुंचा दिया। दूसरी तरफ उनके एक स्नाइपर ने हमलावर को ढेर कर दिया। इस 20 वर्षीय हमलावर की एआर-15 राइफल मिली है। जांच से पता चलेगा कि उसका मकसद क्या था और इस षड़यंत्र में कौन लोग या संगठन शामिल थे। रैली में शामिल एक व्यक्ति की मौत हो गयी और दो घायल हुए हैं। हमलावर की अमेरिकी राजनीति में दिलचस्पी भी उजागर हुई है। लम्बे समय बाद अमेरिका सर्वोच्च पद पर आसीन या रह चुके किसी व्यक्ति के साथ ऐसी हिंसा देख रहा है। अब्राहम लिंकन की 1865 में एवं जॉन एफ. कैनेडी की 1968 में हत्या हुई थी। 1972 में राष्ट्रपति उम्मीदवार जॉर्ज सी. वैलेस पर एक शॉपिंग सेंटर में गोलियां चलाई गयी थीं। इसके बाद वे जीवन भर व्हील चेयर पर ही रहे। ट्रम्प वर्तमान में तो दुनिया के सबसे ताकतवर पद को नहीं सम्हाल रहे हैं परन्तु एक बार वे राष्ट्रपति रह चुके हैं। बहुत मुमकिन है कि वे इस बार फिर से अपनी पार्टी के प्रत्याशी हो सकते हैं जिसका उन्होंने दावा पेश कर ही दिया है और उन्हें उनकी पार्टी में बड़ा समर्थन भी है। पद पर न रहते हुए भी वे देश और दुनिया की राजनीति के एक तरह से केन्द्र में हैं। उनकी हत्या की साजिश का कारण अमेरिका का कोई भीतरी मसला या फिर अंतरराष्ट्रीय मुद्दा हो सकता है।जो भी हो, यह घटना एक बार फिर से इस बात को प्रतिपादित करती है कि हिंसा किसी भी मकसद के लिये नहीं अपनाई जानी चाहिये और वह किसी भी समस्या का हल नहीं है। बेशक ट्रम्प का कार्यकाल कई विवादों से घिरा रहा और उन पर अनेक तरह के आरोप लगे हैं। निजी जीवन से लेकर उनकी व्यवसायिक गतिविधियों तथा यहां तक कि राजनीतिक जीवन में भी वे कई विवादों से घिरे हैं। पिछले चुनावों में जब वे जो बाइडेन से राष्ट्रपति का चुनाव हार गये थे तब भी उन्होंने बहुत आसानी से सत्ता का हस्तातंरण नहीं किया था। यहां तक कि कैपिटल हिल पर (जहां अमेरिकी प्रशासन का मुख्यालय है) उनके समर्थकों ने एक तरह से धावा ही बोल दिया था और वहां की पुलिस तथा सुरक्षा कर्मियों को शांति स्थापित कर सत्ता हस्तांतरण कराने में खासी मशक्कत करनी पड़ी थी। वे अमेरिकी इतिहास के ऐसे पहले पूर्व राष्ट्रपति हैं जिन्हें आपराधिक मामलों में सजा सुनाई गई है। उन पर व्यापारिक दस्तावेजों में हेरफेर का दोषी माना गया है। इस अवसर पर यह सोचे जाने की आवश्यकता है कि दुनिया का सबसे ताकतवर रह चुका इंसान और जो फिर से राष्ट्रपति हो सकता है वह भी सुरक्षित नहीं है तो जनसामान्य की बात ही क्या की जाये। इस घटना को केवल अमेरिका के सन्दर्भ में नहीं वरन वैश्विक शांति व अहिंसा के नजरिये से देखे जाने की जरूरत है। भारत में महात्मा गांधी, दक्षिण अफ्रीका में नेल्सन मंडेला एवं स्वयं अमेरिका में मार्टिन लूथर किंग, सीनियर व जूनियर दोनों ने इसी अहिंसा की वकालत की थी। हिंसा का मूल नफरत में है। ट्रम्प उन राष्ट्राध्यक्षों में माने गये हैं जिनकी राजनीति का आधार यही घृणा एवं हिंसा की वकालत है। पिछले चुनाव की प्रचार रैलियों में वे अपने प्रतिद्वंद्वी बाइडेन का अक्सर भद्दा मजाक उड़ाते भी नजर आते थे। यह भी नफरत का ही एक प्रकार कहा जा सकता है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि जिस थॉमस मैथ्यू क्रूक्स नामक युवक ने ट्रम्प पर गोलियां चलाईं और जिसे सीक्रेट सर्विस एजेंट ने तत्काल मार गिराया वह स्वयं रिपब्लिकन पार्टी का समर्थक था। हालांकि उसके बारे में यह भी पता चला है कि उसने एक बार विरोधी डेमोक्रेटिक पार्टी को 15 अमेरिकी डॉलर का चंदा भी दिया था। दिलचस्प तथ्य यह है कि डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिका की गन लॉबी के बड़े समर्थक हैं। उन्होंने यह भी वादा कर रखा है कि अगर वे फिर से राष्ट्रपति बनते हैं तो वे लोगों द्वारा हथियार रखने पर बाइडेन के लगाये प्रतिबन्धात्मक नियमों को शिथिल कर देंगे। यानी कि लोग अधिक आसानी से निजी बन्दूकें व पिस्तौलें रख सकेंगे। यह तथ्य भी अपनी जगह पर बना हुआ है कि दुनिया में नागरिकों के नाम पर सर्वाधिक अनुमति प्रदान करने वाला देश अमेरिका ही है। इसके कारण कई बार सार्वजनिक स्थानों पर अंधाधुंध फायरिंग की खबरें आती रहती हैं। यहां तक कि स्कूलों में छोटे बच्चे तक अपने सहपाठियों पर गोलियां बरसा देते हैं। आपस में सामान्य सी कहा-सुनी में भी लोगों द्वारा जान ली या दी जाती है। इसका कारण भी यही है कि हर दूसरे, तीसरे व्यक्ति के हाथों में कोई तमंचा या बन्दूक है और उनकी उंगलियां ट्रिगर दबाने को बेताब रहती हैं। कोई भी समाज तब तक अहिंसक नहीं हो सकता जब तक कि सरकारें अहिंसा में भरोसा न करने लगें और ऐसा समाज बनाने का प्रयास न करें।

कश्मीर: उपराज्यपाल को शक्ति मतलब चुनी हुई सरकार कमजोर

शकील अख्तर

चुनी हुई सरकार! जम्मू कश्मीर की जनता द्वारा चुनी हुई सरकार! इस वाक्य का प्रयोग केन्द्र सरकार, राज्य सरकार, संयुक्त राष्ट्र में जाने वाले भारत के प्रतिनिधि और हम पत्रकार लोग सब कश्मीर पर बात करने, लिखने में सबसे ज्यादा करते रहे हैं। पाकिस्तान, चीन, अमेरिका, युरोप सब इस चुनी हुई सरकार से डरते थे। चुनी हुई सरकार मतलब जीवित लोकतंत्र। जम्मू-कश्मीर की जनता की इच्छा का प्रतीक। यह चुनी हुई सरकार की शक्ति ही थी कि 75 साल से पाकिस्तान के सीधे हस्तक्षेप और चीन, अमेरिका, यूरोप के कई देशों की नजर के बाद भी कश्मीर हमारा उतना ही अविभाज्य अंग रहा जैसे देश के दूसरे हिस्से। मगर अब पिछले 6 साल से वहां चुनी हुई सरकार नहीं है। पहले की तरह राज्य भी नहीं है। केन्द्र शासित प्रदेश है और अब वहां उपराज्यपाल को और अधिक शक्तियां देकर चुनी हुई सरकार, जो जाने कब होगी को और ज्यादा कमजोर कर दिया गया है। इसका असर अन्तरराष्ट्रीय पर पड़ता है। भारत का कश्मीर पर हमेशा एक मजबूत स्टेंड रहा है। जब भी पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र में जनमत संग्रह की बात करता है। हम कहते हैं यह विधानसभा चुनाव जनता की इच्छा का प्रतिनिधित्व ही करते हैं। और इन विधानसभा चुनावों ने जम्मू-कश्मीर में हर दल को सरकार में रखा है। आखिरी बार दस साल पहले 2014 में जो विधानसभा चुनाव हुए थे उसमें बीजेपी ने पीडीपी के साथ मिलकर सरकार बनाई थी। आज बीजेपी चुनी हुई सरकार की शक्तियां कम करने का बचाव यह कहकर कर रही है कि वहां चुनी हुई सरकारें दो ही परिवारों की थीं। मगर यह बताना भूल गई कि उन दोनों परिवारों के साथ वह मिलजुली सरकार चला चुकी है। गठबंधन कर चुकी है। फारुक अब्दुल्ला की एनसी के साथ वाजपेयी ने केन्द्र में सरकार चलाई थी। उमर अब्दुल्ला वाजपेयी सरकार में विदेश राज्य मंत्री थे। और फिर जम्मू-कश्मीर में प्रधानमंत्री मोदी ने मुफ्ती मोहम्मद सईद और महबूबा मुफ्ती की पीडीपी के साथ मिलकर सरकार बनाई। जम्मू-कश्मीर राजनीति की जगह नहीं है। भाजपा जब विपक्ष में थी तो कश्मीर पर खूब राजनीति करती थी। मगर 1999 में केन्द्र में सरकार बनाने के बाद उसकी समझ में आ गया कि कश्मीर राजनीति का विषय नहीं है। अटल बिहारी वाजपेयी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद कहा कि कश्मीर में जो नार्मलसी (सामान्य स्थिति) लौटी है वह वहां की अवाम की वजह से है। उसने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई जीती है। और यह सच भी है कोई सेना, सुरक्षा बल बिना जनता के सहयोग के आतंकवाद पर काबू नहीं पा सकती। सेना ने वहां स्थानीय जनता के साथ मिलकर कई सफल आतंकवादी विरोधी अभियान चलाए। प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव के समय समर्पित आतंकवादी कूका परे के साथ सेना ने उत्तरी कश्मीर में कई सफल आपरेशन किए। पाकिस्तान उत्तरी सीमा कूपवाड़ा से ही आतंकवादियों की घुसपैठ करवाता था। वहां के स्थानीय लोगों ने गुजर बकरवाल के साथ मिलकर सेना ने घुसपैठ पर नियंत्रण किया। उस समय के आंतरिक सुरक्षा राज्य मंत्री राजेश पायलट पहले नेता थे जो उस दुर्गम उत्तरी सीमा के दौरे पर गए थे। हम भी उनके साथ थे। बारह महीने बर्फ से ढंकी पहाड़ियों पर चापर (हैलिकाप्टर) का लेंड होना भी बहुत मुश्किल होता था। वहीं से बर्फ कम होने गर्मियों में पाकिस्तान आतंकवादी भेजता था। उनके आने के दर्रे रास्ते पूर्व आतंकवादियों को और वहां के स्थानीय निवासी गुजर बकरवाल को मालूम होते थे। वे सेना की मदद करते थे। वे बहादुर लोग सिर्फ खबर ही नहीं देते थे। सेना के साथ रास्ता बताते हुए भी चलते थे। इसलिए 1996 में नरसिनम्हा राव सरकार वहां 9 साल बाद विधानसभा चुनाव करवा पाई। आतंकवाद का वह पीक समय था। सबसे मुश्किल दौर। इन पंक्तियों का लेखक इस पूरे दौर में वहीं रहा। श्रीनगर सहित पूरे कश्मीर में चौबीस घंटे का कर्फ्यू लगता था। चुनाव करवाना बड़ी चुनौती थी। पाकिस्तान का प्रचार था कि लोग चुनाव नहीं चाहते। मगर कांग्रेस की केन्द्र सरकार ने हिम्मत दिखाई। और 1996 में विधानसभा चुनाव करवा के वहां चुनी हुई सरकार बनवा दी। यह पाकिस्तान को कड़ा जवाब था। भाजपा कहती है वहां लोकतंत्र नहीं था! आतंकवाद के दौर में दूसरा विधानसभा चुनाव 2002 में वाजपेयी ने करवाया। और अगर लोकतंत्र न होता तो वहां सरकार बदलती नहीं। फारुक अब्दुला की सरकार हार गई और मुफ्ती मोहम्मद सईद मुख्यमंत्री बने। भारतीय लोकतंत्र की विविधता और परिपक्वता का इससे बड़ा उदाहरण क्या होगा कि राज्य में मुफ्ती और कांग्रेस की मिलजुली सरकार और केन्द्र में भाजपा और एनसी की मिलीजुली सरकार। और दोनों सरकारों केन्द्र और राज्य ने इतना शानदार मिलजुल कर काम किया कि जम्मू-कश्मीर में वाजपेयी और मुफ्ती का वह तालमेल हमेशा याद किया जाता है। आतंकवाद को खत्म करने और जनता में विश्वास जगाने का सर्वोत्तम समय। अब जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद फिर नियंत्रण के बाहर हो रहा है। दरअसल आंतरिक सुरक्षा, आतंकवाद, हिंसा ऐसी चीजें हैं जो बातों से खत्म नहीं होतीं। काम करना पड़ता है। बाकी देश में तो यह कह देते हैं कि इतने करोड़ रोजगार सृजित हुए हैं, महंगाई कहां है? अंबानी की शादी देखो! कहीं लगता है कि महंगाई है? यहां तो कुछ भी कह दो। मणिपुर में बता दो कि स्थिति सुधर रही है। यह सुनकर विपक्ष के नेता राहुल गांधी तीसरी बार वहां गए। और वहां पत्रकारों से दुख के साथ बोले कि मैं समझ रहा था कि हालत वाकई सुधर गए होंगे। मगर हालत और ज्यादा खराब हो गई है। तो बातों से न मणिपुर की स्थिति सुधर सकती है और न जम्मू-कश्मीर की। जम्मू-कश्मीर में चुनाव करवाने की जरूरत थी। दस साल हो गए विधानसभा चुनाव हुए। रिकार्ड बन गया। इससे पहले जब वाकई हालत बहुत खराब थे तब 9 साल चुनाव नहीं हुए थे। 1987 से 1996 तक। मगर अब तो मोदी सरकार रोज वहां स्थिति सुधरने का दावा कर रही है। लेकिन चुनाव की अभी भी उम्मीद नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल सितंबर तक चुनाव करवाने को कहा था। परिसीमन हो चुका है। भाजपा के अनुकूल जम्मू में सीटें बढ़ चुकी हैं। पहले जम्मू में 37 विधानसभा सीटें थीं। जो अब बढ़ाकर 43 कर दी गई हैं। 90 सदस्यीय विधानसभा में बिल्कुल बहुमत के पास। कश्मीर में गुलामनबी आजाद और दूसरे कुछ और नेताओं की पार्टियां खड़ी कर ली गई हैं। जिनसे कुछ सीटें मिल सकें। मगर हालत जम्मू में ही खराब हो गई। यहां से हमेशा भाजपा के समर्थन मिलता था मगर राष्ट्रपति शासन के दौरान 6 साल जम्मू को कुछ नहीं दिया गया। केवल बातें। नतीजा इस बार जम्मू की दोनों लोकसभा सीटों पर कांग्रेस अच्छा लड़ गई। जम्मू में साढ़े पांच लाख से ज्यादा वोट मिले। और दूसरी सीट उधमपुर में करीब साढ़े चार लाख। हार केवल एक लाख 24 हजार वोटों से हुई। जम्मू में एक लाख 35 हजार करीब वोट से। दस दस लाख से ज्यादा के लोकसभा क्षेत्र में बीजेपी की जीत का यह मार्जिन ज्यादा नहीं है। इसलिए बीजेपी इस बार जम्मू में सशंकित है। उपराज्यपाल को अधिक पावर देना, प्रधानमंत्री का कश्मीर जाकर योग करना जैसे उपाय अपना कर वह लोगों का ध्यान राज्य की बिगड़ती व्यवस्था से हटाना चाहती है। मगर यह टोटके समस्याग्रस्त राज्यों में काम नहीं करते। वहां तो स्थिति में सुधार दिखना चाहिए। जम्मू-कश्मीर में चुनी हुई सरकार भंग करने के बाद से वहां स्थिति बिगड़ती जा रही है। राज्य का विभाजन, केन्द्र शासित प्रदेश बनाना, 370 खत्म करना, लंबे समय तक कश्मीर के नेताओं को गिरफ्तार रखना, गुलाम नबी आजाद का उपयोग करना और अब उपराज्यपाल को और अधिक शक्ति देना यह सब प्रयास फलीभूत होते दिखाई नहीं दे रहे हैं। मोदी सरकार को अपनी कश्मीर संबंधी नितियों पर पुनर्विचार करने की जरूरत है। नरसिम्हा राव से लेकर श्री देवगौड़ा, श्री गुजराल, श्री वाजपेयी, मनमोहन सिंह सब प्रधानमंत्रियों के कामों में एक निरंतरता थी। राजनीति नहीं थी।मोदी जी चाहे मणिपुर हो या कश्मीर राजनीति को नहीं छोड़ पाते। नतीजा दोनों जगह हालत बिगड़ रहे हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

2024-25 के बजट में आम संघर्षरत लोगों के लिए कोई राहत की उम्मीद नहीं

अनिल राजिमवाले

नरेंद्र मोदी सरकार 22 जुलाई से 12 अगस्त तक चलने वाले बजट सत्र में 23 जुलाई को अपने तीसरे कार्यकाल का पहला बजट पेश करेगी। भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार से व्यापक रूप से उम्मीद की जा रही है कि वह श्सुधारोंश का दावा करते हुए अपनी नीति को जारी रखेगी। पिछले दशक में बजट और आर्थिक नीतियों की द्वंद्वात्मकता ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर वित्तीय कॉरपोरेट्स के पहले से ही बड़े पैमाने पर कब्जे को और मजबूत करने का काम किया है। हालांकि यह हमारी जीवंत अर्थव्यवस्था के लिए विनाश का संकेत है, लेकिन इस बार यह इतना आसान नहीं हो सकता है, क्योंकि भाजपा अल्पमत में है और बिहार और आंध्र प्रदेश के उसके सहयोगी रियायतें पाने के लिए उसके गले पर सवार हैं। वित्त मंत्री को कुछ हद तक मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। पिछले महीने संसद के दोनों सदनों को संयुक्त संबोधन में हमारे राष्ट्रपति ने दावा किया था कि बजट श्कई ऐतिहासिक कदमों से चिह्नितश होगा। 4 जून को चुनाव परिणामों के बाद से, आधिकारिक आर्थिक और राजनीतिक हलकों में केवल एक ही बात चल रही हैरू इक्विटी और शेयर बाजार श्तेजीश के साथ पागल हो रहे हैं। बड़े व्यवसाय बड़े पैमाने पर सट्टा अवसरों के उन्माद में जकड़े हुए हैं। एनडीए गठबंधन के चुनावों में नेतृत्व करने के बाद निफ्टी और बीएसई आसमान छू गये। कागजात शेयर बाजारों और व्यावसायिक दिग्गजों के मुनाफे के आंकड़ों से भरे पड़े हैं, जिसमें उत्पादन और विनिर्माण को लगभग पूरी तरह से बाहर रखा गया है, जो इस तथ्य को दर्शाता है कि लोगों और उत्पादक अर्थव्यवस्था के लिए कुछ भी नहीं किया जा रहा है। बुनियादी ढांचे और शहरीकरण तथा अन्य पर पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) बढ़ाने की समस्याएं, व्यापार बाधाओं को दूर करना, जीएसटी के दुरुपयोग से उत्पन्न समस्याएं आदि कुछ ऐसी समस्याएं हैं जिनका सामना सरकार कर रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पूर्व परामर्श के तहत बुनियादी ढांचे और ऊर्जा क्षेत्र के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। बड़े उद्योग चाहते हैं कि सरकार शहरीकरण में तेजी लाने के लिए कदम उठाये। यह एमएसएमई और अन्य विनिर्माण को छोड़कर शहरी भूमि और संपदा सट्टेबाजी में बड़े पैमाने पर उत्पादक पूंजी के जाने को दर्शाता है। उद्योग का एक अन्य वर्ग, विशेष रूप से एमएसएमई, औद्योगिक उत्पादन और बिक्री को प्रभावित करने वाली जीएसटी की उच्च और जटिल दरों के बारे में शिकायत कर रहा है। अर्थव्यवस्था के विपरीत ध्रुव पर एक स्वाभाविक परिणाम निवेश में तेज और बड़ी गिरावट है। बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा विश्लेषित सीएमईआई आंकड़ों से पता चलता है कि जून में समाप्त होने वाली तिमाही में विनिर्माण निवेश 20 साल के निचले स्तर पर गिरकर केवल 44300 करोड़ रुपये रह गया। इससे पहले सबसे कम स्तर जून 2005 में था। यह चौतरफा आर्थिक श्विकासश के बड़े-बड़े दावों के बावजूद था। फिर भी, भारत की बड़ी कंपनियों ने इस साल की पहले छह महीनों में इक्विटी बाजार में रिकॉर्ड2. 5 लाख करोड़ रुपये (30अरब डॉलर) जुटाये हैं, जो जनवरी-जून की अवधि के लिए अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। यह पिछले साल की इसी अवधि की राशि से दोगुना है। अडानी और अंबानी भारतीय अर्थव्यवस्था के वित्तीयकरण और सट्टा प्रकृति के प्रतीक बन गये हैं। अरबपति गौतम अडानी समूह देश के सबसे बड़े मुंद्रा बंदरगाह पर जहाज बनाने की तैयारी कर रहा है, जिसमें सरकार उनकी सेवा में है। भारत शीर्ष दस जहाज निर्माण कंपनियों वाले देशों में से एक बनना चाहता है, और सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र की कीमत पर अडानी से बेहतर कोई विकल्प नहीं दिखता। वर्तमान में भारत दुनिया में 20वें स्थान पर है। यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि अडानी की जहाज निर्माण योजनाओं को पहले रिपोर्ट नहीं किया गया था, जिसे मुंद्रा बंदरगाह के लिए 45000 करोड़ रुपये के विस्तार योजना में छिपा दिया गया था। पर्यावरण को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाया जायेगा, लेकिन पर्यावरण और तटीय विनियमन क्षेत्र की मंजूरी पहले ही प्रबंधित की जा चुकी है। अडानी ने इस तथ्य का लाभ उठाया है कि चीन, दक्षिण कोरिया और जापान में यार्ड 2028 तक बुक हैं, जिससे वैश्विक खिलाड़ी भारत की ओर देखने को मजबूर हैं। लेकिन भारत सरकार ने इस स्थिति का उपयोग सार्वजनिक क्षेत्र के बंदरगाहों और यार्डों को दरकिनार करने के लिए किया है। महाराष्ट्र तट पर वधावन में एक और योजनाबद्ध बहुत बड़ा बंदरगाह बनाया जायेगा, जिसे दुनिया भर के दस सबसे बड़े बंदरगाहों में से एक माना जाता है। पीपीपी के तहत अनुमानित 76000 करोड़ रुपये की परियोजना में से 37244 करोड़ रुपये निजी क्षेत्र द्वारा दिये जायेंगे। यह दुर्लभ मैंग्रोव, आर्द्रभूमि आदि को बड़े पैमाने पर नष्ट कर देगा। भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता नहीं है क्योंकि यह समुद्री भूमि है। सरकार ने वित्त वर्ष 2025 के लिए विनिवेश और संपत्ति मुद्रीकरण से एक लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है, जो सार्वजनिक क्षेत्र के विनाश और इसे बड़े व्यवसाय को सौंपने की योजना को छिपाने के लिए एक सम्मानजनक शब्द है। फरवरी 2024 में अंतरिम बजट ने इन दोनों को मासूम दिखने वाले श्विविध पूंजी प्राप्तियोंश के तहत जोड़ दिया था! इसलिए वे सिर्फ पूंजी प्राप्तियां हैं, न कि कड़ी मेहनत से अर्जित सार्वजनिक संपत्ति की बिक्री! श्मुद्रीकरणश सार्वजनिक क्षेत्र के विनाश को छिपाने का एक तरीका है। बेरोजगारी की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जो विशाल व्यापारिक घरानों, विशेष रूप से अंबानी और अडानी को रियायतें देने का परिणाम है। यह मोदी सरकार द्वारा दशकों से अपनाई गई नीतियों का प्रत्यक्ष परिणाम है, जो एमएसएमई के बड़े पैमाने पर विनाश के कारण और भी बढ़ गई है। नोटबंदी, जीएसटी और बढ़ते आयात ने इस क्षेत्र के लिए तबाही मचा दी। अमेरिकी निवेश बैंक सिटीग्रुप की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत को अपने युवाओं को रोजगार प्रदान करने के लिए अगले दस वर्षों तक हर साल 120 लाख नौकरियां पैदा करने की आवश्यकता होगी। यहां तक कि 7प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि भी इतनी रोजगार पैदा नहीं करेगी। हरियाणा (मानेसर) में अमेजन के गोदाम, इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख कंपनी फॉक्सकॉन की चेन्नई फैक्ट्री में श्रम कानून का उल्लंघन हो रहा है, जहां महिला श्रमिकों के साथ भेदभाव किया गया।

'हिना खान के बॉयफ्रेंड ने नहीं छोड़ा मुश्किल वक्तमें साथ, खास अंदाज में बनाया वीकेंड स्पेशल

> 'बिग बॉस' में अपना दमखम दिखाकर शेर खान कहलाने वाली हिना खान ने हाल में ही जानकारी साझा की और बताया कि उन्हें कैंसर हो गया है। एक्ट्रेस के फैंस इस खबरे के सामने आने के बाद से ही हैरान-परेशान हैं। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए बताया कि वो ब्रेस्ट कैंसर की तीसरी स्टेज से जूझ रही हैं।

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में अक्षरा का रोल निभाकर घर–घर में अपनी अलग पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस 'हिना खान इन दिनों मुश्किल दौर से गुजर रही हैं। 'बिग बॉस' में अपना दमखम दिखाकर शेर खान कहलाने वाली हिना खान ने हाल में ही जानकारी साझा की और बताया कि उन्हें कैंसर हो गया है। एक्ट्रेस के फैंस इस खबरे के सामने आने के बाद से ही हैरान–परेशान हैं। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए बताया कि वो ब्रेस्ट कैंसर की तीसरी स्टेज से जूझ रही हैं। इस दौर में वो खुद को संभालने में लगी हुई हैं और हंसकर हर मुश्किल का सामना कर रही हैं। बड़ी हिम्मत के साथ वो हर अपडेट साझा कर रही हैं। इस घड़ी में उनका परिवार उनका साथ दे रहा है। एक्ट्रेस की मां और बॉयफ्रेंड रॉकी जैयसवाल उनका खास ध्यान रख रहे हैं। हाल में ही एक्ट्रेस के बॉयफ्रेंड ने एक्ट्रेस के लिए स्पेशल पोस्ट किया और इसके साथ ही एक्ट्रेस की हालिया तस्वीरें दिखाते हुए बताया कि कैसे उन्होंने हिना खान का वीकेंड स्पेशल बनाया।बॉयफ्रेंड रॉकी ने हिना खान की तीन तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा कीं। इन तस्वीरों में हिना खान मुस्कुराती और क्यूट एक्टप्रेशन देती नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस के हाथ में कुछ टूल्स देखने को मिल रहे हैं। येलो नाइटसूट पर हिना ने ब्लू एपरेन कैरी किया है। सोफे पर बैठी हिना खान काफी क्यूट लग रही हैं। एक्ट्रेस के बॉयफ्रेंड ने इन तस्वीरों को साझा करते हुए प्यार भरा कैप्शन भी लिखा और बताया कि किस तरह उन्होंने हिना का पसंदीदा खाना बनाकर उनका वीकेंड स्पेशल बनाया है। रॉकी ने कैप्शन में लिखा, 'जब वो मुस्कुराती है तो रोशनी और भी तेज हो जाती है, जब वो खुश होती है तो जिंदगी सार्थक हो जाती है, जब वो मेरे साथ होती है मैं और भी ज्यादा जीता हूं। जब मैं उसके साथ होता हूं तो कुछ भी ज्यादा मायने नहीं रखता।' इस पोस्ट को देखने के बाद जाहिर हो रहा है कि रॉकी हिना से कितना प्यार करते हैं और किस तरह उनका ध्यान रख रहे हैं। इस पोस्ट को देखने के बाद लोग दोनों की बॉन्ड की तारीफ कर रहे हैं। रॉकी के इस पोस्ट पर हिना ने भी कमेंट किया है। एक्ट्रेस ने लिखा, 'तुम।' इसके साथ ही चोटिल दिल वाला इमोजी भी पोस्ट किया है। वहीं एक फैन ने कमेंट में लिखा, 'हिना खान एक फाइटर हैं। मुझे अच्छा लग रहा है जिस तरह से आप उन्हें सपोर्ट कर रहे हैं।' एक अन्य शख्स ने लिखा, 'हिना खान अच्छी किस्मत वाली हैं जो आप उनके साथ हैं।' वहीं एक और फैन ने लिखा, 'दिल छू लिया आपके बॉन्ड ने।' बता दें, 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' के दौरान ही हिना खान और रॉकी की मुलाकात हुई थी। 'बिग बॉस' में भी दोनों की केमिस्ट्री देखने को मिली।

श्वेता त्रिपाठी शर्मा को वास्तविक जीवन से अलग किरदारों की तलाश

बॉलीवुड अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी शर्मा इन दिनों काफी चर्चा में हैं। हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई मिर्जापुर सीजन–3 में उनके काम को काफी सराहा जा रहा है। उन्होंने बताया, वो अपने आसपास लगातार ऐसे किरदारों और कहानियों की तलाश में रहती हैं, जो उनकी वास्तविक जिंदगी से बिल्कुल अलग होती है। मेरी निजी जिंदगी मिर्जापुर में निभाए गए किरदार से बिल्कुल अलग है। मैं एक बेहद जिंदादिल और खुशमिजाज लड़की हूं और हमेशा ऐसे ही रहना चाहती हूं। श्वेता ने बताया कि कोरोना महामारी के बाद से दर्शकों की रूचि में काफी बदलाव हुए हैं। वो अलग तरह का सिनेमा पसंद कर रहे हैं। एक कलाकार होने के नाते मैं उन कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हूं, जिसमें ड्रामा हो, किरदार में दर्द और गुस्सा जैसी भावनाएं हो। मैं स्क्रीन पर अपने किरदार को जीने और उसे अनुभव करने की कोशिश करती हूं। बता दें कि श्वेता त्रिपाठी शर्मा ने मिर्जापुर वेब सीरीज में श्गोलूश का किरदार निभाया है। सीरीज में गोलू अपनी बहन स्वीटी गुप्ता और प्रेमी बबलू पंडित की मौत का बदला लेना चाहती है। उसे कालीन भैय्या और उसके बेटे मुन्ना त्रिपाठी से बदला लेने के लिए हथियार उठाना पड़ता है। गोलू के किरदार को पहले और दूसरे सीजन में दर्शकों ने काफी पसंद किया था। अब, तीसरे सीजन में भी गोलू के किरदार को पसंद किया जा रहा है।

'सरफिरा' और हिंदुस्तानी 2' का दूसरे दिन रहा ऐसा हाल

12 जुलाई को सिनेमाघरों में अक्षय कुमार की 'सरफिरा' और कमल हासन की 'इंडियन 2' रिलीज होते ही चर्चा में आ गई। पहले ही दिन से बॉक्स ऑफिस पर दोनों फिल्मों के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिल रही है। 'सरफिरा' और 'इंडियन 2'' दोनों ही फिल्में अलग–अलग जॉनर की फिल्में हैं। वहीं लोगों से भी फिल्मों को मिले जुले रिव्यू मिले है। इस बीच दोनों फिल्मों के दूसरे दिन का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन रिपोर्ट सामने आ चुका है।''तपितं' और 'प्दकपंद 2' ने दूसरे दिन बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद से अच्छी कमाई की है। चलिए यहां जानते हैं दूसरे दिन कितने करोड़ का बिजनेस किया है? अक्षय कुमार, राधिका मदान, परेश रावल स्टारर 'सरफिरा' की कहानी लोगों को बहुत पसंद आ रही है। फिल्म को लोगों से बहुत अच्छे रिव्यू मिले हैं। इस मूवी का निर्देशन सुधा कोंगरा ने किया है। अक्षय के अलावा सरफिरा में राधिका मदान और परेश रावल जैसे कलाकार लीड रोल में मौजूद होंगे। वहीं फिल्म 'सरफिरा' के दूसरे दिन का कलेक्शन रिपोर्ट सामने आ चुका है। सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक, 'सरफिरा' ने पहले दिन 2.40 करोड़ की कमाई की है। वहीं दूसरे दिन 4.25 करोड़ कमाए। कमल हासन, सिद्धार्थ और रकुल प्रीत की फिल्म 'हिंदुस्तानी 2' तामिल, तेलुगु, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज हुई है। फिल्म ने दूसरे दिन शानदार कमाई कर सभी को हैरान कर दिया है। ये फिल्म 1996 में आई फिल्म 'हिंदुस्तानी' का सीक्वल है। देश से भ्रष्टाचार का खात्मा करने के मुद्दे पर बेस्ड इस फिल्म का पहले दिन जलवा देखने को मिला। 'हिंदुस्तानी 2' ने पहले दिन 25. 60 करोड़ की कमाई की है। वहीं दूसरे दिन 'हिंदुस्तानी 2' ने सिर्फ 16.7 करोड़ का बिजनेस किया है जो काफी निराशाजनक है। बता दें कि अक्षय की पिछली कुछ रिलीज को भी अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिला है. उनकी बिग बजट फिल्म बड़े मियां छोटे मियां फ्लॉप हो गई. इस फिल्म में टाइगर श्रॉफ अहम भी थे. वहीं अक्षय की मिशन रानीगंज, रक्षाबंधन, सम्राट पृथ्वीराज, बच्चन पांडे और सेल्फी भी फ्लॉप थी और राम सेतु एवरेज थी. 2022 से अक्षय कुमार ने सिर्फ एक सुपरहिट फिल्म दी है और उसका नाम है ओएमजी 2. इस फिल्म में अक्षय के अलावा पंकज त्रिपाठी अहम रोल में थे. फिल्म की कहानी पंकज त्रिपाठी और उनके बेटे के इर्द–गिर्द ही बुनी गई थी.

'खतरों के खिलाड़ 14 इस दिन से होगा शुरू, ये सितारे होंगे रोहित शेट्टी के शो का हिस्सा

बॉलीवुड की दुनिया के मशहूर फिल्म डायरेक्टर रोहित शेट्टी अपने पॉपुलर टीवी शो ''खतरों के खिलाड़ 14' के साथ वापस लौट रहे हैं। रोहित शेट्टी द्वारा होस्ट किया जाने वाला ''खतरों के खिलाड़ 14' सबसे ज्यादा देखे जाने वाले और पसंद किए जाने वाले स्टंट बेस्ड एडवेंचर रियलिटी शो में से एक रहा है। कुछ समय पहले निर्माताओं ने झ्झ्झ 14 की रिलीज की तारीख को लेकर एक खुलासा किया था और दर्शकों की एक्साइटमेंट और भी ज्यादा बढ़ा दी है। रियलिटी शो की शूटिंग इस बार रोमानिया में की गई है और इस बार कंटेस्टेंट्स के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिलने वाली है। खतरों के खिलाड़ी 14' का प्रीमियर 27 जुलाई, 2024 को सिर्फ कलर्स और जियो सिनेमा पर होने वाला है। निर्माताओं ने कुछ समय पहले एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें रोहित शेट्टी को यह कहते हुए सुना जा सकता है, 'यूरोप में खिलाड़ी हॉलिडे मूड में आ गए। स्पा, शॉपिंग, अब मूड बदलेगा, माहौल बदलेगा, उनका ड्रीम हॉलिडे बनने वाला है उनका सबसे बुरा सपना।' उन्होंने आगे कहा, 'देश नया, खेल नया, खिलाड़ी नए, इसलिए इस बार मैं रोमानिया में डर की नई कहानी लिखूंगा।' 'खतरों के खिलाड़ी 14' के कंटेस्टेंट्स की बात करें तो इस सीजन में गश्मीर महाजनी, नियति फतनानी, असीम रियाज, करणवीर मेहरा, निमृत अहलूवालिया, अभिषेक कुमार, शालीन भनोट, सुमोना चक्रवर्ती और कृष्णा श्रॉफ खिलाड़ियों के रूप में दिखाई देने वाले हैं। कलर्स टीवी ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'रोमानिया की खूबसूरत सड़कों पर दिखेगा खतरों का कहर, क्योंकि इस बार देखने मिलेंगी डर की नई की कहानियां, सिर्फ और सिर्फ रोमानिया में।'एडवेंचर शो 'खतरों के खिलाड़ी 14' को उसके तीन फाइनलिस्ट गश्मीर, कृष्णा और करण वीर मिल चुके हैं। प्रशंसक शो से जुड़ी हर छोटी–बड़ी जानकारी जानने के लिए काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं और एपिसोड के लाइव होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इससे पहले, शो के प्रतियोगियों को रोमानिया से लौटते हुए मुंबई एयरपोर्ट पर भी देखा गया था।

कैटरीना कैफ की 6 एक्शन फिल्में जिन्हें देखना चाहिए

बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ, जिन्होंने अभिनेता विक्की कौशल से शादी की है, लंबे समय से फिल्म उद्योग में एक जाना–माना नाम बन गई हैं। वह बेहद खूबसूरत और मेहनती हैं। 2003 में, कैटरीना ने फिल्म श्बूमश से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। अब, 16 जुलाई को, कैटरीना अपना 41वां जन्मदिन मनाएंगी। अब तक, अभिनेत्री कई फिल्मों में दिखाई दी हैं और कुछ फिल्मों में कैमियो भूमिकाएँ भी निभाई हैं। उन्हें पहली सफलता डेविड धवन द्वारा निर्देशित श्मैंने प्यार क्यों कियाश में सलमान खान के साथ मिली थी। कैटरीना अपने अभिनय और नृत्य कौशल के लिए काफी प्रसिद्ध हैं। तो, आज अभिनेत्री के जन्मदिन पर आइए हम उनकी कुछ बेहतरीन एक्शन फिल्मों पर एक नज़र डालते हैं, जिनमें वह शामिल रही हैं।

1. एक था टाइगर (2012)रू इस एक्शन–थ्रिलर फिल्म का निर्देशन कबीर खान ने किया था। इस फिल्म में सलमान खान, कैटरीना कैफ, रणवीर शौरी, रोशन सेठ और अन्य प्रमुख भूमिकाओं में थे। कैटरीना ने ब्रिटिश–भारतीय कॉलेज छात्रा और एक गुप्त आईएसआई एजेंट की भूमिका निभाई, जिसने किदवई के शोध से जानकारी चुराई। दूसरी ओर, सलमान खान ने एक रॉ एजेंट की भूमिका निभाई।

2. धूम 3 (2013)रू श्धूम 3श में कैटरीना कैफ ने आमिर खान द्वारा निभाए गए किरदार समर की प्रेमिका की भूमिका निभाई। यह अभिनेत्री की सूची में एक और एक्शन–थ्रिलर फिल्म थी जिसने बॉक्स ऑफिस पर काफी अच्छा प्रदर्शन किया।

3. बैंग बैंग (2014)रू सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित श्बैंग बैंगश में कैटरीना ने हरलीन साहनी की भूमिका निभाई, जो एक बैंक रिसेप्शनिस्ट है, जो अपनी माँ के साथ एक साधारण जीवन जी रही है। जबकि अभिनेत्री के विपरीत अभिनय करने वाले ऋतिक रोशन ने एक चोर राजवीर नंदा की भूमिका निभाई। राजवीर के प्यार में पड़ने के बाद उसकी ज़िंदगी एक नया मोड़ लेती है और वे दोनों कई तरह के कारनामों का अनुभव करते हैं।

4. फैंटम (2015)रू कबीर खान द्वारा निर्देशित 2015 में रिलीज हुई इस एक्शन–थ्रिलर फिल्म में कैटरीना कैफ और सैफ अली खान मुख्य भूमिका में थे। उन्होंने फिल्म में पूर्व रॉ एजेंट नवाज की भूमिका निभाई थी, जबकि सैफ कैप्टन दानियाल खान थे। कहानी दानियाल और नवाज के इर्द–गिर्द घूमती है, जो 26/11 हमले में शामिल लोगों को मारने के लिए एक यात्रा पर निकलते हैं।

5. टाइगर ज़िंदा है (2017)रू यह श्टाइगर सीरीज़श की दूसरी कड़ी थी। टाइगर ज़िंदा है में सलमान खान और कैटरीना कैफ ने एक बार फिर साथ काम किया। इस फिल्म में, अभिनेत्री एक पाकिस्तानी जासूस की भूमिका निभाती है, जो रॉ एजेंट अविनाश श्टाइगरश के साथ मिलकर आतंकवादियों के एक समूह द्वारा बंधक बनाए गए नर्सों को बचाने के लिए आती है।

6. टाइगर 3 (2023)रू मनीष शर्मा द्वारा निर्देशित श्टाइगर 3श टाइगर फ्रैंचाइज़ी की तीसरी किस्त है। सलमान खान और कैटरीना कैफ के साथ इमरान हाशमी, रणवीर शौरी, रिद्धि डोगरा और अन्य ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कैटरीना फिल्म में एक आईएसआई एजेंट और अविनाश श्टाइगरश (सलमान खान) की पूर्व पत्नी है। यह अभिनेत्री की एक्शन फिल्म सूची में एक और एक्शन–थ्रिलर फिल्म थी।

इन चार तरीकों से पालक को बनाएं अपनी थाली का हिस्सा

सेहतमंद रहने के लिए हरी सब्जियों को डाइट का हिस्सा बनाने की सलाह दी जाती है। इन्हीं हरी सब्जियों में से एक है पालक। आयरन रिच पालक में कई तरह के विटामिन्स व मिनरल्स पाए जाते हैं। अमूमन यह देखने में आता है कि लोग घरों में पालक की मदद से पालक पनीर बनाना पसंद करते हैं। जबकि अगर आप चाहें तो पालक को कई अलग–अलग तरीकों से भी खा सकते हैं। इससे आपको हर दिन एक नई व डिफरेंट डिश खाने का मौका भी मिलता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आप पालक को किस तरह अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं–

बनाएं पालक दाल

दाल को एक अलग टेस्ट देने के लिए आप पालक दाल बनाएं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले दाल को नरम होने तक पकाएं। दूसरे पैन में घी या तेल में जीरा और सरसों के बीज भूनें, फिर प्याज, लहसुन, अदरक और हरी मिर्च डालें। टमाटर डालें और नरम होने तक पकाएं, फिर पालक डालें और गलने तक पकाएं। पकी हुई दाल के साथ मिलाएं और कुछ मिनट तक उबालें। नमक डालें और धनिया से गार्निश करें।

बनाएं पालक का सूप

अगर आप कुछ लाइट खाना चाहते हैं तो ऐसे में पालक का सूप भी बनाया जा सकता है। इसके लिए प्याज़ और लहसुन को एक बर्तन में पारदर्शी होने तक भूनें। कटे हुए आलू और वेजिटेबल स्टॉक डालें और आलू के नरम होने तक पकाएं। पालक डालें और इसे भी हल्का पकाएं। फिर मिश्रण को चिकना होने तक ब्लेंड करें। अब इसे बर्तन में वापस डालें, क्रीम डालें और नमक और काली मिर्च डालें।

बनाएं पालक और छोले सलाद

अगर आपको सलाद खाना बोरिंग लगता है तो एक बार पालक की मदद से सलाद बनाकर देखें। पालक को उबले हुए छोले, कटे हुए प्याज, टमाटर, खीरे और क्रम्बल किए हुए फ़ेटा चीज़ के साथ मिलाएं। जैतून का तेल, नींबू का रस, नमक और काली मिर्च डालकर खाएं।

बनाएं पालक स्मूदी

अगर आप पालक को अपने ब्रेकफास्ट का हिस्सा बनाना चाहते हैं तो पालक स्मूदी बनाएं। इसके लिए एक ब्लेंडर में पालक को केला, आम, दही, शहद, चिया सीड्स और बादाम के दूध के साथ मिलाकर अच्छी तरह ब्लेंड कर लें। मिनटों में बनने वाली यह स्मूदी बेहद ही टेस्टी और फिलिंग होती है।

स्लिम और फिट रहने के लिए इस रूटीन का करें पालन

आज कल पतले रहना बेहद मुश्किल है लेकिन अगर आप चाहते हैं कि आप स्लिम और फिट रहें तो उसके लिए आपको स्वस्थ रूटीन का पालन करना चाहिए। यहां हमने कुछ महत्वपूर्ण टिप्स दी हैं जिन्हें आप भी अपनी जीवनशैली में जरूर अपनाएं –

1. प्रातःकाल की व्यायाम

रोजाना सुबह उठकर कम से कम 30–45 मिनट की व्यायाम करें। यह दौड़ना, योग या गहरी श्वासायाम हो सकती है।

2. समय पर नाश्ता

सुबह का नाश्ता समय पर करें, जिसमें प्रोटीन और फाइबर युक्त आहार शामिल हो।

3. पानी पिएं

दिन भर में नियमित अंतरालों में पानी पिएं, कम से कम 8–10 गिलास।

4. फल और सब्जी खाएं

अपने भोजन में फल और सब्जियों को शामिल करें, जो कम कैलोरी वाले और पौष्टिक हों।

5. संतुलित भोजन

मीठे और तली हुई चीजें को कम करें, और उचित मात्रा में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट्स और फैट्स लें।

6. रात का भोजन

रात का भोजन हल्का होना चाहिए, और खाने के बाद अधिक से अधिक दो घंटे का विश्राम लें।

7. नियमित व्यायाम

हफ्ते में कम से कम 5 दिन व्यायाम करें, जैसे चलना, जिम या योगा।

इस रूटीन को अपनाकर आप स्वस्थ और फिट रह सकते हैं।

बिना केमिकल के नेचुरल तरीके से बालों को करें स्ट्रेट, बालों की पलट जाएगी काया

हर लड़की की चाहत होती है कि उनके बाल शाइनी और सीधे नजर आएं। जिसके लिए हम पार्लर जाकर हेयर स्पा ट्रीटमेंट लेते हैं। जिससे कि बाल सीधे हो लकें। वहीं बहुत सारे लोग केरोटिन कराना भी पसंद करते हैं। हालांकि इससे भी बाल सीधे हो जाते हैं। लेकिन बालों पर केरोटिन का असर सिर्फ कुछ समय के लिए ही रहता है। वहीं केमिकल लगने के कारण बाल भी खराब हो जाते हैं। ऐसे में आप बालों को सीधा करने के लिए कुछ घरेलू नुस्खा अपना सकते हैं। बता दें कि बालों को सीधा करने के लिए आप भिंडी के पानी का इस्तेमाल कर सकती हैं। यह नेचुरल तरीका है और बिना केमिकल के आपके बाल भी सीधे हो जाएंगे। तो हम आपको इस आर्टिकल के जरिए बताने जा रहे हैं कि बालों को सीधा करने के लिए किस तरह से भिंडी के पानी का इस्तेमाल करना चाहिए।

भिंडी का पानी

भिंडी में आयरन, बीटा केराटिन, विटामिन सी और ए, फाइबर, कैल्शियम, फोलेट, मैग्नीशियम और फास्फोरस पाया जाता है। इसमें पाया जाने वाला बीटा बालों को स्ट्रेट करने में सहायक होता है। इसलिए आप बालों को स्ट्रेट करने के लिए भिंडी के पानी का इस्तेमाल कर सकती हैं।

ऐसे बनाएं भिंडी का पानी

सबसे पहले 6–7 भिंडी धो लें।

अब भिंडी के टुकड़े कर इनको एक पैन में डालें और एक कप पानी डालकर उबालने के लिए रख दें।

जब पानी उबलकर आधा रह जाए, तो गैस बंद कर दें और पानी को ठंडा होने दें।

पानी के ठंडा होने के बाद भिडी को छानकर अलग कर लें और पानी अलग कर लें।

इस पानी को एक एयर टाइट कंटेनर में डाल लें।

जानिए कैसे करें इस्तेमाल

बालों में पहले शैंपू करें और फिर स्प्रे बोतल की मदद से भिंडी के पानी से बालों में स्प्रे करें।

इस पानी को बालों की जड़ों तक अच्छे से लगाएं और फिर हल्के हाथों से मसाज करें।

इसके बाद बालों को कंघी से सुलझा लें।

अब बालों को हवा में सूखने दें। बालों को सुखाने के लिए ड्रायर का इस्तेमाल न करें।

बाल सूखने के बाद सादे पानी से बालों को धो लें।

इस आसान और नेचुरल तरीके से आपके बाल स्ट्रेट हो जाएंगे।

इन बातों का रखें ध्यान

भिंडी के पानी को आप 3–4 दिन तक फ्रिज में स्टोर करके रख सकती हैं।

अगर आपके बाल ज्यादा घुंघराले हैं, तो आप सप्ताह में 2–3 बार इस पानी का इस्तेमाल कर सकती हैं।

बता दें कि यदि आपके बाल हल्के रंग के हैं, तो भिंडी का पानी आपके बालों को हल्का रंग भी दे सकता है।

अगर आप नहीं चाहती हैं कि आपके बालों पर इसका रंग आए, तो आप इस पानी में थोड़ा सा नींबू का रस मिल लें।

स्किन का रखना है ख्याल तो आलू के छिलके का करें इस्तेमाल

आलू एक ऐसी सब्जी है, जिसे हम सभी अपने घर में कई अलग–अलग तरीकों से बनाना व खाना पसंद करते हैं। आलू को अमूमन छीलकर व काटकर बनाया जाता है। ऐसे में बचे हुए आलू के छिलकों को यूं ही बेकार समझकर कूड़ेदान में फेंक दिया जाता है। जबकि आलू के छिलके आपके बेहद काम आ सकते हैं। अगर आप अब तक अपनी स्किन की केयर करने के लिए महंगे–महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट्स में इनवेस्ट करते आए हैं तो अब आप आलू के छिलकों का इस्तेमाल करें। ये आलू के छिलके आपकी स्किन का कई तरह से ख्याल रख सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको आलू के छिलकों को स्किन केयर रूटीन में शामिल करने के कुछ अमेजिंग तरीकों के बारे में बता रहे हैं–

डार्क सर्कल से पाएं छुटकारा

आलू के छिलकों की मदद से डार्क सर्कल की अपीयरेंस को आसानी से कम किया जा सकता है। ऐसा आलू के छिलकों की नेचुरल ब्लीचिंग और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुणों के कारण संभव है।

कैसे उपयोग करें–

– अपनी आंखों पर ताजे आलू के छिलके रखें।

– उन्हें 15–20 मिनट तक लगा रहने दें।

– अपने चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।

बनाएं ब्राइटनिंग फेस मास्क

अगर आप नेचुरल तरीके से अपनी स्किन को अधिक ब्राइटन बनाना चाहते हैं और दाग–धब्बों से छुटकारा पाना चाहते हैं तो आलू के छिलकों का इस्तेमाल करें।

कैसे उपयोग करें–

– ब्राइटनिंग फेस मास्क बनाने के लिए सबसे पहले आलू के छिलकों को पीसकर पेस्ट बना लें।

– अब इसमें आवश्यकतानुसार दही मिलाएं।

– तैयार मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाएं।

– इसे गुनगुने पानी से धोने से पहले 15–20 मिनट तक लगा रहने दें।

स्क्रब की तरह करें इस्तेमाल

आलू के छिलके डेड स्किन सेल्स को हटाने के लिए एक जेंटल एक्सफोलिएटर के रूप में काम कर सकते हैं।

कैसे उपयोग करें–

– ताजे आलू के छिलकों को सीधे अपनी स्किन पर सर्कुलर मोशन में रब करें।

– इसे कुछ देर ऐसे ही छोड़ दें, फिर गुनगुने पानी से धोएं।

स्किन को बनाएं यूथफुल

आलू के छिलकों में एंटी–ऑक्सीडेंट होते हैं जो झुर्रियों और महीन रेखाओं जैसे उम्र बढ़ने के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकते हैं।

कैसे उपयोग करें–

– आलू के छिलकों का पेस्ट बनाएं।

– पेस्ट को महीन रेखाओं और झुर्रियों वाले क्षेत्रों पर लगाएं।

– इसे धोने से पहले 20–30 मिनट तक लगा रहने दें।

गर्मियों में अच्छी सेहत के लिए वरदान है लौकी, सब्जी नहीं इस तरह सकते हैं बना

गर्मियों में स्वास्थ्य के लिए सही आहार बहुत महत्वपूर्ण होता है और इस समय में खासकर वे आहार पदार्थ जो शरीर को ठंडा रखने में मदद करते हैं, विशेष महत्व रखते हैं। लौकी इसी तरह की एक स्वास्थ्यवर्धक सब्जी है जो गर्मियों में आसानी से उपलब्ध होती है और इसका अनेक तरीकों में सेवन किया जा सकता है। इसके साथ ही, लौकी के फायदों के बारे में भी जान कर आप हैरान हो जाएंगे। लेकिन अगर आपको ये पसंद नहीं है तो आप इसे किस तरह से अलग–अलग रुपों में बना कर खा सकते हैं।

लोई के फायदे

लौकी एक स्वस्थ और पोषण से भरपूर सब्जी है जो कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करती है। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व और उपयोगी गुण इसे एक उत्कृष्ट आहार बनाते हैं। यहां लौकी के कुछ महत्वपूर्ण फायदे हैंरू

पोषण से भरपूर

लौकी में विटामिन सी, विटामिन बी, कैल्शियम, मैग्नीशियम, और पोटैशियम जैसे पोषक तत्व होते हैं जो स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं।

वजन नियंत्रण

लौकी में कम कैलोरी होती है और यह वजन नियंत्रण में मदद कर सकती है।

पाचन क्रिया को सुधारती है

लौकी पाचन को सुधारने में मदद कर सकती है और अपच में लाभकारी हो सकती है।

हार्ट हेल्थ

लौकी में फाइबर होता है जो हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है और रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करता है।

लौकी का उपयोग

अगर आपको लौकी पसंद नहीं है, तो इसे विभिन्न तरीकों में खाने के ये उपाय आपके लिए उपयुक्त हो सकते हैंरू

लौकी की सब्जी

लौकी को प्याज, टमाटर और मसालों के साथ पकाकर स्वादिष्ट सब्जी बना सकते हैं।

लौकी की खीर

लौकी को दूध में पकाकर मिठी खीर बना सकते हैं। इसमें चीनी, दालचीनी और काजू डालकर स्वादिष्टता बढ़ा सकते हैं।

लौकी के कोफ्ते

लौकी को गोले बनाकर उसे मटर या टमाटर की ग्रेवी में पकाकर मजेदार कोफ्ते बना सकते हैं।

लौकी का रायता

लौकी को दही के साथ मिलाकर रायता बना सकते हैं और इसे चावल या पराठे के साथ सर्व कर सकते हैं।

इन तरीकों से आप लौकी को स्वादिष्ट बना सकते हैं और इसके सभी स्वास्थ्य लाभों को प्राप्त कर सकते हैं। अपने आहार में लौकी को शामिल करके आप अपने स्वास्थ्य को बनाए रख सकते हैं और इसके फायदे उठा सकते हैं।

वृक्षारोपण को एक जनान्दोलन बनाने की तरफ सोचना होगा :अंकित सिंह यादव

(जनहितकारी इंटरमीडिएट कॉलेज में हुआ वृक्षारोपण)

कोखराज। वृक्षारोपण महाअभियान 2024 के अन्तर्गत चाकवन चौराहा स्थित जनहितकारी इंटरमीडिएट कॉलेज में व्यापक पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित कर पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश कांग्रेस सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अंकित सिंह यादव ने अपने सम्बोधन में कहा कि वृक्षारोपण को एक जनान्दोलन बनाने की तरफ सोचना होगा, जिसके लिए समाज की सहभागिता होना पहली और आवश्यक शर्त है।

सामुदायिक सहभागिता के जरिए स्वच्छता की संस्कृति विकसित करने की जरुरत है, जिसके लिए कूड़े–कचरे को फिर से उपयोग में लाने की ठोस योजना का होना जरूरी है। इससे बड़ी संख्या में रोजगार तो पैदा होगा ही, हमारे गांव, शहर और कस्बें रहने योग्य भी बनेंगे।

विद्यालय कि प्रबन्धक विद्या सिंह ने कहा कि पर्यावरण की सेहत के लिए दो कामों का निरन्तर जारी रहना बेहद जरुरी है, पहला स्वच्छता और दूसरा वृक्षारोपण। स्वच्छता के अभाव में हमें स्वास्थ्य सम्बन्धी खतरे झेलने पड़ते हैं। इस अवसर पर प्रधानाचार्य सत्यनारायण सिंह, प्रीती सिंह, शैलजा सिंह, रिचा सिंह, नीलम सिंह, सुवेश, शशि रानी, नवनीत, वैशाली, रंजना, जाहिद, प्रिया, अमिता,अखिलेश आदि लोग उपस्थित रहे।

दूसरे दिन भी चला वृक्षारोपण अभियान

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना

द्वारा चलाये जा रहे "एक वृक्ष माँ के नाम अभियान" के दूसरे दिन चले वृक्षारोपण अभियान में वृक्षारोपण करते हुये उपकुलसचिव लेखा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय श्री राजीव गुप्ता जी ने कहा कि वृक्ष धरा के आभूषण हैं। हम सबको वृक्षारोपण कर प्रकृति के प्रति अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन करना चाहिये। इस अवसर पर वृक्षारोपण करते हुये सहायक कुलसचिव, इलाहाबाद विश्वविद्यालय श्री आशीष पाण्डेय जी ने कहा कि हम सबको एक एक वृक्ष अवश्य लगाना चाहिये। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक प्रो. राजेश कुमार गर्ग ने बताया कि यह अभियान प्रत्येक कार्यक्रम अधिकारी द्वारा अपने परिसर में चलाया जाना है।कार्यक्रम अधिकारी डॉ. तेज प्रकाश के नेतृत्व में आज का वृक्षारोपण अभियान चलाया गया।

देहरादून इकाई..... की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

देहरादून ।.....शहर समता विचार मंच..देहरादून.. की महिला काव्य गोष्ठी..श्रीमती यामा शर्मा. के संयोजन मे..श्रीमती निशा अतुल..की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि...श्री उमेश श्रीवास्तव....एवं विशिष्ट अतिथि. श्रीमती रचना श्रीवास्तव.. रही।

यह काव्य गोष्ठी सायं4ध्30 बजे सै.6?30....बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही..निशा अतुल.... द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति .श्रीमती महेश्वरी कनेरी...द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन.श्रीमती डा० क्षमा कौशिक...ने किया। इस काव्य गोष्ठी में..उपस्थित कवित्रियों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें जिसमें...यामा शर्मा, महेश्वरी कनेरी, शोभा पाराशर, नीलू..नीलोफर,शोभा वर्मा, क्षमा कोशिक, पुष्पलता, निशा अतुल मोनिका,.सिंह, संस्थापक श्री उमेश श्रीवास्तव...आदि मौजूद रहे।. धन्यवाद ज्ञापन यामा शर्मा...ने किया।

सम्पूर्ण समाधान दिवस पर 'सम्भव' सुनवाई

प्रयागराज। नगर आयुक्त नगर निगम प्रयागराज, श्री चन्द्रमोहन गर्ग द्वारा आज दिनांक 16 जुलाई 2024 को जन सुनवाई करते हुए नगर निगम में आये हुए फरियादियों की शिकायतों को सुना गया, जिसमें कुल 36 शिकायतें प्राप्त हुई। जनशिकायतों के

अविलम्ब गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण कराये जाने हेतु नगर आयुक्त द्वारा सम्बन्धित अधिकरियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिये गये, और यह भी निर्देशित किया गया कि गुणवत्ता पूर्ण शिकायतों का निस्तारण में किसी भी प्रकार की शिथिलिता न बरती जाय।

'सम्भव' जन सुनवाई बैठक के दौरान अपर नगर आयुक्त श्री अरविन्द राय श्री अम्बरीश बिन्द, श्री दीपेन्द्र यादव, मुख्य कर निर्धारण अधिकारीध्जन सम्पर्क अधिकारी श्री पी0के0द्विवेदी, उप नगर आयुक्त श्री अनुपम शुक्ला, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डा0 अभिषेक सिंह, पशुधन अधिकारी डा0 विजय अमृत राज तथा मुख्य अभियन्ता विद्युत श्री संजय कटियार, मुख्य अभियन्ता श्री सतीश कुमार, जलकल महाप्रबंधक श्री गौरव कुमार, समस्त जोनल अधिकारी, अधिशाषी अभियन्ता निर्माण तथा विद्युत, तथा अवर अभियन्ता सहित नगर निगम के अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहें।

33 वें अट्टहास सम्मान समारोह में मिला ग्यारह हजारी हरिशंकर परसाई सम्मान

नई दिल्ली । हिन्दी भवन (निकट आईटीओ) ,विष्णु दिगम्बर मार्ग,नई दिल्ली –110002 में माध्यम साहित्यिक संस्थान ,लखनऊ एवं युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच ,दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में बहु प्रतीक्षित 33 वाँ अट्टहास सम्मान समारोह सम्पन्न हो गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष इंजीनियर कप्तान सिंह ने की द्य मंचस्थ अतिथियों के स्वागत एवं उनके द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के बाद माध्यम साहित्यिक संस्थान के अध्यक्ष कप्तान सिंह ने संस्था की ओर से सभी आमंत्रित अतिथियों, सदस्यों एवं सम्मानित होने वाले साहित्यकारों का इस कार्यक्रम में स्वागत ध्अभिनन्दन किया ।

माध्यम साहित्यिक संस्थान के अध्यक्ष कप्तान सिंह अध्यक्षता एवं माध्यम के महासचिव अनूप श्रीवास्तव के सानिध्य में देश के कोने –कोने से आये साहित्यकारों ,साहित्य प्रेमियों और व्यंग्य पाठकों से खचाखच भरे सभागार में जाने माने हास्य कवि पद्म श्री अशोक चक्रधर मुख्य अतिथि तथा ख्यात व्यंग्यकार डॉ हरि जोशी, ख्यात लेखकध उपन्यासकारध्कथाकार बलराम ,सुभाष चंदर के अतिरिक्त वरिष्ठ व्यंग्यकार डॉ.आलोक पुराणिक के कर कमलों से अन्य वरिष्ठ और युवा साहित्यकारों के साथ शालध्माला तथा ग्यारह हजार की पुरस्कार राशि प्रदान कर श्हरिशंकर परसाई सम्मान' से सम्मानित किया गया द्य इसके लिए मैं माध्यम साहित्यिक संस्थान के अध्यक्ष कप्तान सिंह अध्यक्षता एवं माध्यम के महासचिव अनूप श्रीवास्तव के साथ –साथ चयन समिति के प्रति अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ।

इस सुअवसर पर मेरे अभिन्न मित्र भारत भूषण शर्मा , श्री राधे श्याम गोस्वामी ,श्याम बाबू गोस्वामी मेरठ, जनकपुरी और गाजियाबाद (क्रमशः) से विशेष रूप से मुझे बधाई और शुभकामनाएं देने के लिए उपस्थित हुए । मैं आप सभी का ह्रदय से आभारी हूँ । मेरा पुत्र विनीत उपाध्याय ने कार्यक्रम में पूर्ण सहयोग किया ,उसका भी मैं आभारी हूँ ।

सदभावना दिवस के रूप में मनाया गया सांसद प्रमोद तिवारी का जन्म दिन, विभिन्न जगहों पर हुए आयोजन

प्रतापगढ़। कॉग्रेस सांसद व राज्यसभा में विपक्ष के उप नेता प्रमोद तिवारी का जन्म दिवस सप्ताह सद्भावना दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। मंगलवार को कॉग्रेस के सीनियर लीडर पं0 श्याम किशोर शुक्ल, जिलाध्यक्ष डा0 नीरज त्रिपाठी, डा0 प्रशांत शुक्ल की अगुवाई में शहर में कई जगहों पर कार्यक्रम आयोजित किये गए। मेडिकल कालेज के महिला विंग में डा0 प्रियंका सिंह के साथ मरीजों व अस्पताल कर्मियों को फल वितरित किये गए। अस्पताल परिसर में पौधरोपण किया। जूता बनाने वाले मोची को धूप से बचने के लिए छाते बॉटे गये। शहर के टक्करगंज स्थित हनुमान मंदिर पर प्रसाद चढ़ाकर प्रमोद तिवारी के दीर्घायु होने की प्रार्थना की गई। इसके अलावा कटरा रोड स्थित एक मैरिज हाल में पं0 श्याम किशोर शुक्ल की अध्यक्षता, डा0 प्रशांत देव शुक्ल, पूर्व जिलाध्यक्ष डा0 लालजी त्रिपाठी के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित कर सांसद प्रमोद तिवारी का गुणगान गाया गया। श्री तिवारी के शान में लोकगीत भी गाए गये। सद्भावना दिवस कार्यक्रम का संचालन डा0 प्रशांत देव शुक्ल ने किया। सोमवार को लालगंज नगर पंचायत में श्री तिवारी के जन्म दिन के मौके पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमें बाराबंकी के कॉग्रेस सांसद तनुज पुनिया चीफ गेस्ट के रूप में मौजूद रहकर श्री तिवारी के राजनैतिक जीवन का पार्टी तथा देश में किये गये योगदान को गिनाया था। मंगलवार को विभिन्न जगहों पर आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कॉग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। लालगंज के घुइसरनाथा धाम में भी कॉग्रेसजनों ने हवन पूजनकर श्री तिवारी के दीर्घायु की कामना की। इलाके के सभी अस्पतालों में मरीजों को फल बांटे गये। इस दौरान सांसद मीडिया प्रभारी ज्ञान प्रकाश शुक्ल, डा0 लालजी त्रिपाठी, मौलाना वाहिद, श्याम किशोर मिश्र, महेन्द्र शुक्ल, सुनीता पटेल, लल्लन सिंह, सुरेश मिश्र, चरनजीत सिंह, संदीप त्रिपाठी, सूर्य प्रकाश शुक्ल, इरफान अली, वी के सिंह, सरोज कश्यप, रमेश चन्द्र मिश्र, प्रमोद कुमार तिवारी, अरूण शुक्ल, नूर आलम, अनिल मौर्य, रामधन यादव, मो0 बिलाल समेत सैकड़ों की संख्या में कॉग्रेसजन मौजूद रहे।

पति ही निकला पत्नी का कातिल, मना करने के बावजूद पिता की सेवा करना बना मौत का कारण

प्रतापगढ़। बाघराय थाना क्षेत्र के छमऊ शुक्ल का पुरवा हरिहरपुर गॉव में राम कुमार पटेल पुत्र मयाराम की पत्नी ललिता देवी की 13 जुलाई की रात गला काटकर हत्या कर दी गई थी। मृतका अपने पति के साथ अलग–अलग चारपाई पर निकट सो रहे थे। मगर हत्या की भनक पति राम कुमार को नहीं लग सकी। सूचना पर भोर में पहुंची पुलिस ने तहकीकात की तो सक की सूई मृतका ललिता देवी के पति राम कुमार पटेल पर गई। छानबीन के दौरान पुलिस ने राम कुमार को थाने में लाकर कड़ाई से पूंछतांछ की तो मामले का राजफास हो गया। राम कुमार ने पुलिस को बताया कि उसके पिता रेलवे से वर्ष 2016 में रिटायर हुए थे। पिता से राम कुमार से बातचीत नहीं होती थी। मगर उसकी मृतका पत्नी अपने ससुर मयाराम की देखभाल करती थी। उसे खाना पीना देती थी। राम कुमार ने पत्नी को कई बार ससुर की सेवा न करने की हिदायत दी। इस संबंध में उसकी पत्नी से अक्सर लड़ाई होती रहती थी। पत्नी के न मानने पर उसने उसे रास्ते से हटाने का प्लान बनाया। राम कुमार ने पुलिस को बताया कि जिस रात पत्नी की हत्या हुई उस शाम भी पत्नी से लड़ाई हुई थी। रास्ते से हटाने के लिए पहले से बांका छुपाकर घर में रख दिया था। रात तीन बजे जब पत्नी गहरी निद्रा में सो रही थी तब बॉके से उसके गले पर वार करके मौत के घाट उतार दिया। चीक न निकले मुंह को दबाए हुए शरीर पर कई वार भी किए। खून से सने कपड़ों को छुपाकर रख दिया था। सीओ सदर अमरनाथ गुप्ता ने बताया कि घटना का राजफास करते हुए आरोपी पति राम कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है। प्रयोग में लाया गया बांका, प्लास्टिक की बोरी व अभियुक्त के पहने हुए कपड़े बरामद किया गया है। पुलिस ने हत्यारे पति राम कुमार पटेल को मंगलवार को जेल भेज दिया।

चाइल्डहेल्पलाइन टीम द्वारा बच्चों के संरक्षण पर दी गयी जानकारी

प्रतापगढ़। शहर के नेशनल पब्लिक स्कूल सगरा में मंगलवार को प्रोबेशन अधिकारी रामबाबू विश्वकर्मा के निर्देश पर चाइल्डहेल्पलाइन टीम द्वारा बाल अधिकार संरक्षण पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चाइल्ड हेल्प लाइन की प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर ऋचा ओझा ने कहां कि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग बाल अधिकारों के सार्वभौमिकता और अखंडता के सिद्धांतों पर बल देता है। देश के बच्चों से जुड़े सभी नीतियों में अत्यावश्यकता की आवाज को आधिकारिक रूप से मान्यता प्रदान करता है। आयोग के लिए 0 से लेकर 18 वर्ष की आयु वर्ग के सभी बच्चों की सुरक्षा का समान महत्व रखता है। केस वर्कर रीना यादव ने बताया कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 को एक नवंबर 2007 से लागू किया गया। इसमें बाल विवाह करना या करवाना संज्ञेय और गैर जमानती अपराध है। जो माता–पिता अपने पुत्र पुत्री का बाल विवाह करते व करवाते हैं उन्हें 2 वर्ष की कारावास व एक लाख रुपए का दंड देने का प्रावधान है। चाइल्डलाइन की सुपरवाइजर बीनम विश्वकर्मा ने सरकार की योजनाओं स्पॉसरशिप, कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) की जानकारी दी। काउंसलर माधुरी ने कहा कि चाइल्ड हेल्प लाइन 1098 न0 भारत भर में लाखों बच्चों के लिए उम्मीद की किरण है। यह सहायता के लिए हर वक्त मुहैया रहती है। इस मौके पर प्रिंसिपल शर्मिला शुक्ला, अभयराज यादव, निशा परवीन, शुभम सिंह, बृजेश विश्वकर्मा व विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे।

डीएम ने नगर पालिका व नगर पंचायतों में कराए गए कार्यो की किया समीक्षा

प्रतापगढ़। डीएम संजीव रंजन कैम्प कार्यालय सभागार में नगर पालिका परिषद बेल्हा व नगर पंचायतों में कराए गए कार्यो की समीक्षा बैठक की। जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारियों से कराए गए कार्यों की जानकारी ली। डीएम ने सभी अधिशासी अधिकारी से कहा कि जल निकासी की व्यवस्था तत्काल करायी जाए। सुनिश्चित कराये नगर एरिया में जल जमाव न हो। जो नालियां टूटी है उनका जल्द मरम्मत कराया जाए। जल्द ही गौशालाओं का निर्माण कार्य कराना सुनिश्चित करें। इधर–उधर टहल रहे पशुओ को अभियान चलाकर गौशालाओं में भेजा जाए। जिलाधिकारी ने कार्यालय भवन, खेल का मैदान, पार्क आदि के हो रहे निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। संचारी रोग पर कहा कि तैयार माइक्रो प्लान के अनुसार कार्य को कराया जाना सुनिश्चित करें। पौधों को ऐसी जगह लगाए जाएं जहां पर पौधों की देखरेख हो सके और वह सुरक्षित रहें। निर्माण कार्यो को सत प्रतिशत पूरा कराना सुनिश्चित करें। वंदन योजना के तहत मांधाता एवं गड़वारा का प्रस्ताव बनाकर शासन में भेजने का निर्देश दिया।बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा, समस्त अधिशासी अधिकारी एवं सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

जबरन धर्म परिवर्तन के आरोप को लेकर दी तहरीर , गांव का नाम बदला

प्रतापगढ़, लालगंज। जबरन धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाने पर पीड़ित ने गांव के एक समुदाय के कुछ लोगों के खिलाफ कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है। मामले में दो लोगों को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। लालगंज कोतवाली के उधरनपुर गांव निवासी प्रकाश भारतीय ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि चौदह जुलाई को रात करीब आठ बजे गांव के एक समुदाय के पांच लोग उससे मिले और पूरे परिवार को धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाने लगे। आरोपियों ने धर्म परिवर्तन कर लेने पर पैसा मिलने का भी लालच दिया। आरोपियों ने दस दिन के अंदर धर्म परिवर्तन न करने पर पूरे परिवार को जान से मार देने की धमकी भी दी। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने बैनर लगाकर गांव का नाम बदल दिया है। घटना को लेकर पीड़ित व उसका परिवार डरा सहमा है। पीडित ने अप्रिय घटना की आशंका भी जतायी है। कोतवाल नीरज यादव का कहना है कि एक समुदाय द्वारा लगाए गए पोस्टर में गांव का नाम बदलने से विवाद हुआ था। मामले में दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है, जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

आत्मनिर्भर बनाने के लिए शुरू हुआ छः दिवसीय ईडीपी प्रशिक्षण

प्रतापगढ़। दीनदयाल अन्त्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत स्वरोजगार हेतु प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया है। जिसमें व्यक्तिगत, समूह ऋण, स्वयं सहायता समूह के लाभार्थियो को छः दिनों तक ईडीपी का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण का शुभारंभ नगर कोतवाली के ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान गोंडे गांव में किया गया है। शुभारंभ एलडीएम गोपाल शेखर झा, निदेशक जितेन्द्र प्रसाद ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया। छः दिवसीय ईडीपी प्रशिक्षण में 30 लोगों को प्रशिक्षण प्राप्त कराया जायेगा । पहले दिन सभी प्रशिक्षणार्थियों को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया और पूरी ईमानदारी व निष्ठा के साथ कार्य करने की सलाह दी। इस अवसर पर डूडा से आनंद प्रकाश मौर्य शहर मिशन प्रबंधक, शिशिर खरे एफएलसी, फैकल्टी संजीव कुमार, अमृता दुबे, शांतनु शेखर आदि उपस्थिति रहे।

संक्षिप्त

रोगों से बचने के लिए स्वच्छता जरूरी–पूनम

प्रतापगढ़। रानीगंज क्षेत्र के राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हरनाहपुर में मंगलवार को संचारी रोगों के प्रति छात्र–छात्राओं को जागरूक करने के लिए सफाई अभियान चलाया गया। प्रधानाचार्या पूनम श्रीवास्तव ने जागरूक करते हुए बताया कि रोगों से बचना है तो सफाई बहुत जरूरी है। बरसात के मौसम में विभिन्न प्रकार की बीमारियां फैलती हैं। बीमारियों से बचने के लिए हमें अपने आस पास व स्वयं को सफाई के प्रति जगरूक रहना होगा। संचारी रेाग गंदगी से फैलते हैं। जागरूकता के अभाव में हम संचारी रोगों के जद में आ जाते हैं। प्रधानाचार्या ने बच्चों से नियमित साफ सफाई के प्रति छात्र–छात्राओं को संकल्प दिलाया। इस मौके पर विद्यालय स्टाफ आदि मौजूद रहे।

आधार कार्ड बनाने के नाम पर धन उगाई का आरोप

प्रतापगढ़, कुण्डा। आधार कार्ड बनवाने व संशोधन के नाम पर प्राईवेट संचालकों पर धन उगाही का आरोप लगाया जा रहा है। आधार कार्ड बनाने का जिम्मा कुण्डा स्थित इंडियन बैंक को दिया गया है। बैंक के प्रबंधक ने बताया कि मशीन खराब होने की वजह से लोगों की सुविधा के लिए कुछ लोगों को कार्ड बनाने को कहा गया है। जिसमें भगवन तिराहा, पुरानी दीवानी व ब्लाक के पास लोगों के आधार कार्ड बनाए जा रहे हैं। नगर पंचायत की मंजू देवी, मीरा सरोज, रंजीत पटेल ने आरोप लगाया है कि आधार कार्ड बनाने के नाम पर तीन सौ रू0 लिए जा रहे हैं। जबकि जानकारी के अनुसार पॉच वर्ष तक के बच्चों का आधार कार्ड बनाने में कोई शुल्क नहीं लगता है। मगर बच्चों समेत आधार कार्ड में संशोधन के नाम पर धन उगाही का आरोप लगाया जा रहा है। इस संबंध में एसडीएम व तहसीलदार से भी शिकायत की गई है।

बेसिक शिक्षकों ने दिया सामूहिक त्याग पत्र

प्रतापगढ़। ऑनलाइन हाजिरी का विरोध कर रहे मंगरौरा ब्लाक के बेसिक शिक्षकों ने मंगलवार को सामूहिक त्याग पत्र दे दिया। ब्लाक अध्यक्ष बृजेश प्रताप सिंह की अगुवाई में विकास खंड के सभी शिक्षक संकुलों ने खंड शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार को त्याग पत्र सौंपा। ब्लाक अध्यक्ष बृजेश सिंह ने कहा कि प्रांतीय नेतृत्व के निर्देश पर आगे का निर्णय लिया जाएगा। शिक्षक नेता बृजेश सिंह ने बताया कि जिले के कालाकांकर, मानधाता, मंगरौरा, लालगंज व सांगीपुर ब्लाक के लगभग चार सौ शिक्षकों ने सामूहिक इस्तीफा दिया है।

बेहोशी का इंजेक्शन देकर किशोरी के साथ बलात्कार का आरोपी डाक्टर भेजा गया जेल

प्रतापगढ़, पट्टी। आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के ढकवा बाजार स्थित आशीष हॉस्पिटल एवं सर्जिकल सेंटर पर बीते 10 जुलाई को किशोरी को बेहोशी इंजेक्शन देकर डाक्टर ने बलात्कार किया था। ढकवा निवासिनी पीड़िता किशोरी आपरेशन के बाद अपनी मॉ के साथ ड्रेसिंग कराने आई थी। मॉ को बाहर बैठाकर अस्पताल संचालक आरोपी डा0 आशीष यादव ने किशोरी को आपरेशन रूम में ले जाकर बेहोशी का इंजेक्शन देकर बलात्कार किया। कुछ देर बाद होश में आने पर किशोरी ने अपने अन्तः वस्त्रों को अस्त व्यस्त पाया। उसने अपने साथ हुए वाकया मॉ को बताया। मामला तूल पकड़ने पर आरोपी डाक्टर अस्पताल बंद कर फरार हो गया। पिता की तहरीर पर आरोपी डाक्टर आशीष यादव के खिलाफ आसपुर देवसरा थाने में विभिन्न गंभीर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया। फरार चल रहे आरोपी डाक्टर आशीष कुमार यादव पुत्र राम अवध निवासी सोनपुरा आसपुर देवसरा को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

एसपी ने थानेदारों को गूगलमीट के जरिए त्यौहारों पर सुरक्षा के दिए निर्देश

प्रतापगढ़। एसपी डा0 अनिल कुमार मंगलवार को जिले भर के सीओ, थानेदारों से गूगलमीट के जरिए रूबरू हुए। उन्होंने आगामी त्यौहारों श्रावण मास, कांवड यात्रा व मोहर्रम पर क्षेत्र में सुरक्षा के बावत जानकारी की। उन्होंने थानेदारों से त्यौहारों को सकुशल संपन्न कराने की जिम्मेदारी देते हुए जरूरी निर्देश दिए। नई परम्परा लाने पर सख्ती से रोकने को कहा। इस मौके अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी दिनेश कुमार सिंह व पश्चिमी संजय राय आदि मौजूद रहे।

मंडल स्तर पर अव्वल छात्रा सहित 12 को प्राचार्य ने दिया प्रशस्ति पत्र

प्रतापगढ़। प्रोफेसर राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा आयोजित युवोत्सव में एकल शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता में पीबीपीजी कालेज की बी0 एड0 विभाग की छात्राध्यापिका ऋचा त्रिपाठी ने मण्डल स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया था। प्राचार्य प्रो0 अमित कुमार श्रीवास्तव ने ऋचा त्रिपाठी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इसके अलावा रंगोली, नृत्य, सुर संधान, भाषण प्रतियोगिता सहित विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में बेहतर प्रदर्शन करने वाली 11 छात्राओं को प्राचार्य ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं से छात्रों की बहुमुखी प्रतिभा निखर कर सामने आती है। इस दौरान प्रो0 बृजभानु सिंह, प्रो0 ब्रम्हानंद प्रताप सिंह, प्रो0 उपेंद्र कुमार सिंह, रश्मि सिंह, डा0 भावना सिंह, डा0 नीरज त्रिपाठी, डा0 भूपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

525 ग्राम पंचायतों में स्थापित होगी डिजिटल लाइब्रेरी, पंचायती राज विभाग ने चयन कर शासन को भेजा पत्रावली

प्रतापगढ़। सब कुछ ठीक रहा तो आने वाले कुछ दिनों में गांव के छात्र–छात्राओं को डिजिटल लाइब्रेरी के लिए घर से दूर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके लिए शासन स्तर से गांव के मिनी सचिवालय में डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना कराई जाएगी। पहले चरण में इसके लिए जिले की 525 ग्राम पंचायतों का चयन किया गया है। बीते कुछ वर्षों में डिजिटल लाइब्रेरी की डिमांड तेजी से बढ़ी है। शहर से शुरू होकर अब डिजिटल लाइब्रेरी ग्रामीण इलाके की बाजारों तक पहुंच चुकी है। खासतौर पर यह प्रतियोगी छात्र, छात्राओं के लिहाज से खासी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। ऐसे में ग्रामीण इलाके के प्रतियोगी छात्रों को यह सुविधा घर के नजदीक उपलब्ध कराने की योजना शासन ने बनाई है। शासन ने प्रत्येक गांव के मिनी सचिवालय में डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना कराने का निर्णय लिया है। पहले चरण में बेल्हा की 525 ग्राम पंचायत में डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित करने की कवायद पंचायती राज विभाग की ओर से शुरू कर दी गई है।

निःशुल्क शिविर में दो सौ मरीजों का हुआ नेत्र परीक्षण

प्रतापगढ़, लालगंज। सदगुरू सेवा संस्थान सतना की तरफ से मंगलवार को लालगंज के ढिगवस में निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। संयुक्त अधिवक्ता संघ के उपाध्यक्ष बालेन्द्र कुमार त्रिपाठी ने फीता काटकर शिविर का विधिवत उदघाटन किया। शिविर में नेत्र विशेषज्ञों ने कुल दो सौ मरीजों की आंख का परीक्षण किया। इस दौरान बीस मरीजों को मोतियाबिंद में चिन्हित कर उन्हें इलाज के लिए एम्बुलेंस से चित्रकूट स्थित अस्पताल भेजवाया। शिविर का संयोजन आचार्य कमलेशचंद्र व छेदीराम ने किया। इस मौके पर रामसजीवन पटेल, बाबूलाल गौतम, सीताराम सरोज, पूर्णेन्द्रमणि त्रिपाठी, बालकृष्ण त्रिपाठी, रईस, अलीरजा, बनवारी लाल गौतम, कामेश्वर शर्मा आदि मौजूद रहे।

कश्मीर में हमले के बीच पाकिस्तान के कई जवानों की मौत, मची चीख-पुकार

भारत के जम्मू कश्मीर के डोडा में आतंकियों संग सेना के जवानों की मुठभेड़ हुई। सेना के जवानों को आतंकियों की तरफ से टारगेट किया गया। 4 जवानों के शहीद होने की भी खबर है। एक तरफ पाकिस्तान की तरफ से आतंकियों को पनाह दिया जाता रहा है। वहीं अब वहीं आतंकी पाकिस्तान के सेना के जवानों को भी निशाना बना रहे हैं। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू इलाके में एक चेक पोस्ट पर आतंकवादियों के हमले में पाकिस्तानी सेना के कम से कम आठ सैनिक मारे गए। जियो न्यूज के अनुसार, सेना ने कहा कि आतंकवादियों ने सोमवार तड़के बन्नू छावनी पर हमला किया, लेकिन सुविधा में प्रवेश करने के उनके प्रयासों को सुरक्षा कर्मियों ने विफल कर दिया, जिन्होंने 10 आतंकवादियों को मार गिराया। परिसर में प्रवेश करने में विफल रहने के बाद, आतंकवादियों ने विस्फोटक से भरे वाहन को छावनी की परिधि की दीवार से टकरा दिया, जिससे दीवार का एक हिस्सा ढह गया और आसपास के बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा, जिसमें आठ सैनिक मारे गए। सेना ने अफगानिस्तान से संचालित हाफ़िज़ गुल बहादुर समूह पर हमले में शामिल होने का आरोप लगाया है। यह सुविधा उत्तरी वज़ीरिस्तान के अशांत क्षेत्र की सीमा पर स्थित है। माना जाता है कि यह समूह तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) से संबद्ध है और कथित तौर पर इसने अतीत में कई बार पाकिस्तान के अंदर आतंकवादी हमलों को अंजाम देने के लिए अफगान धरती का इस्तेमाल किया है। अशांत क्षेत्र लंबे समय से सीमा के दोनों ओर सक्रिय इस्लामी आतंकवादियों के लिए एक सुरक्षित पनाहगाह रहा है। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान

(टीटीपी), कट्टरपंथी इस्लामी समूहों का एक समूह, सरकार को उखाड़ फेंकने की कोशिश के लिए राज्य के खिलाफ युद्ध छेड़ रहा है। पाकिस्तान ने पिछले साल नवंबर में इस्लामाबाद में अफगान प्रभारी डीएफ़येर को तलब किया था और आतंकवादी गुल बहादुर के प्रत्यर्पण की मांग की थी। इस्लामाबाद ने अफगान अधिकारियों से उसकी धरती पर सक्रिय आतंकवादी समूहों के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया है, लेकिन काबुल ने कहा है कि पाकिस्तान में बढ़ती हिंसा एक घरेलू मुद्दा है, क्योंकि दोनों पड़ोसियों के बीच संबंधों में खटास आ गई है। अल-कायदा के करीबी माने जाने वाले इस समूह को पूरे पाकिस्तान में कई घातक हमलों के लिए दोषी ठहराया गया है, जिसमें 2009 में सेना मुख्यालय पर हमला, सैन्य ठिकानों पर हमले और 2008 में इस्लामाबाद में मैरियट होटल पर बमबारी शामिल है। अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे से टीटीपी का हौसला बढ़ गया है, जिसके शीर्ष नेता और लड़ाके अफगानिस्तान में छिपे हुए हैं।

पाकिस्तान में आतंकवाद

पिछले महीने, रविवार को लक्की मारवत जिले में एक बम विस्फोट में एक कैप्टन सहित कम से कम सात सैनिक मारे गए थे, जो अफगानिस्तान के साथ सीमा के पास एक अराजक आदिवासी क्षेत्र के किनारे पर है। एक सुरक्षा काफिला कच्ची कमर की ओर जा रहा था, तभी आतंकवादियों ने उस पर हमला कर दिया। सुरक्षा अध्ययन (सीआरएसएस) वार्षिक सुरक्षा के अनुसार, पाकिस्तान में 2024 की दूसरी तिमाही में आतंक से संबंधित घटनाओं 240 में वृद्धि देखी जा रही है, जिसके कारण नागरिकों, सुरक्षा कर्मियों और अपराधियों के बीच 380 आतंक से जुड़ी मौतें और 220 घायल हुए हैं। प्रतिवेदन। अकेले खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान को लगभग 92 प्रतिशत मौतों और 87 प्रतिशत हमलों का सामना करना पड़ा है।

संक्षिप्त

आर्थिक सुस्ती पर लगाम लगाने के उपाय तलाशने को कम्युनिस्ट पार्टी की बैठक शुरू

बीजिंग। चीन सरकार ने सोमवार को कहा कि उसका सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वित्तीय वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में घटकर 4.7 फीसदी पर आ गया है। सरकार का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ने एक अहम बैठक शुरू की, जिसे दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में दोबारा जान फूंकने के लिहाज से राष्ट्रपति शी चिनफिंग के नेतृत्व के लिए एक निर्णायक क्षण बताया जा रहा

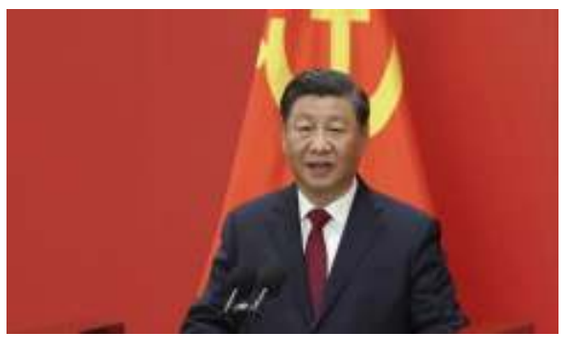

है। थर्ड प्लेनम नामक चार दिवसीय बैठक में चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) की केंद्रीय समिति के 376 पूर्ण और वैकल्पिक सदस्य हिस्सा ले रहे हैं। वे मुख्य रूप से सुधारों को व्यापक रूप से बढ़ाने और चीन के आधुनिकीकरण को गति देने से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करेंगे, ताकि गहराते जनसांख्यिकीय संकट, सुस्त विकास और बढ़ते सरकारी ऋणों से चरमराई अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाया जा सके। हालांकि, पार्टी नेतृत्व के लिए इस बैठक की शुरुआत निराशाजनक रही, क्योंकि राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो (एनबीएस) ने घोषणा की कि साल की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद 4.7 प्रतिशत की दर से बढ़ा, जो पहली तिमाही में 5.3 फीसदी की वार्षिक वृद्धि दर से कम है। एनबीएस ने सोमवार को कहा, "मौजूदा बाहरी वातावरण जटिल है, जबकि घरेलू मांग अपर्याप्त बनी हुई है। हमें अभी भी आर्थिक सुधार की नींव मजबूत करने की जरूरत है।" सीपीसी की तीसरी बैठक को अगले दशक के लिए सुधार एजेंडा तय करने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस बैठक को राष्ट्रपति शी चिनफिंग के लिए एक निर्णायक क्षण के रूप में भी देखा जा रहा है, जिन्होंने आर्थिक सुस्ती के बीच अभूतपूर्व रूप से पांच साल का तीसरा कार्यकाल संभाला है।

ओमान की मस्जिद में गोलीबारी, चार की मौत, फुटेज में भागते दिखे लोग

मस्कट। ओमान की एक मस्जिद में गोलीबारी की खबर है। इस गोलीबारी में चार लोगों की मौत हुई है और कई अन्य घायल हैं। घायलों की स्थिति को देखते हुए मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। ओमान पुलिस ने बताया कि अभी तक हमले के पीछे की वजह का पता नहीं चला है। पुलिस के अनुसार, ओमान की राजधानी मस्कट के नजदीक स्थित अल-वादी अल-कबीर इलाके में स्थित मस्जिद में गोलीबारी हुई।

रूस यूक्रेन वार के बीच भारत से क्या चाहता है अमेरिका ? मोदी के मॉस्को दौरे के बाद कर दी बड़ी मांग

संयुक्त राज्य अमेरिका ने भारत से आह्वान किया कि वह रूस के साथ अपने दीर्घकालिक संबंधों का उपयोग करके रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यूक्रेन में अपने अवैध युद्ध को समाप्त करने के लिए कहे। कई अमेरिकी विभागों ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की मॉस्को की हाई-प्रोफाइल यात्रा के आलोक में भारत-रूस संबंधों पर चिंता व्यक्त की, जहां पुतिन ने उनका प्रिय मित्र के रूप में स्वागत किया। रूस के साथ भारत का पुराना रिश्ता है। अमेरिकी विदेश

विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने एक ब्रीफिंग में कहा कि मुझे लगता है कि यह सर्वविदित है। भारत को रूस के साथ उस संबंध, उस दीर्घकालिक संबंध और उनकी अद्वितीय स्थिति का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया, ताकि राष्ट्रपति पुतिन से अपने अवैध युद्ध को समाप्त करने और एक न्यायसंगत शांति, एक स्थायी शांति खोजने का आग्रह किया जा सके। व्लादिमीर पुतिन को संयुक्त राष्ट्र चार्टर का सम्मान करने, यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता का सम्मान करने के लिए कहें। पिछले हफ्ते, व्हाइट हाउस ने भारत को रणनीतिक साझेदार कहा था और कहा था कि रूस के साथ उसके रिश्ते पुतिन को यूक्रेन में दो साल से अधिक समय से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए मना सकते हैं।

विदेश मंत्री एस जयशंकर पहुंचे मॉरीशस, कहा- भारत कभी साथ नहीं छोड़ेगा

मॉरीशस। भारत-मॉरीशस के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए मंगलवार को भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर दो दिवसीय यात्रा पर मॉरीशस पहुंचे। यहां उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा कि भारत प्रगति और समृद्धि के लिए मॉरीशस का लगातार समर्थन करेगा। उसका साथ कभी नहीं छोड़ेगा। इससे पहले मॉरीशस के विदेश मंत्री मनीश गोबिन ने उनका हवाई अड्डे पर स्वागत किया। यहां एक कार्यक्रम में मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ के साथ भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 12 विकास परियोजनाओं, शिक्षा, संस्कृति और अभिलेखागार के डिजिटलीकरण के उद्घाटन के साथ विभिन्न एमओयू साइन किए। इसके अलावा उन्होंने भारतीय मूल के लोगों को ओसीआई कार्ड भी सौंपे। इस दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत के मॉरीशस के साथ मजबूत संबंध हैं। मॉरीशस के साथ द्विपक्षीय संबंध विदेश में भारत के विकास और सहयोग के लिए आदर्श हैं। वहीं मॉरीशस के विदेश मंत्री मनीष गोबिन ने पोस्ट किया कि मॉरीशस को लगातार समर्थन देने और चागोस द्वीप को लेकर उपनिवेशवाद, संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता को लेकर पहल करने पर भारत और डॉ. एस जयशंकर के प्रति कृतज्ञता जताते हैं। उन्होंने लिखा कि आज का दिन काफी महत्वपूर्ण है। भारत और एस जयशंकर के हमारे प्रति समर्थन और प्रतिबद्धता जताने पर आभार। इससे पहले मॉरीशस पहुंचने के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक्स पर फोटो के साथ पोस्ट किया 'नमस्ते मॉरीशस! स्वागत के लिए विदेश मंत्री मनीश गोबिन का धन्यवाद।' वहीं गोबिन ने उनकी पोस्ट का जवाब देते हुए लिखा कि जयशंकर की यात्रा दो देशों के बीच मजबूत और स्थायी संबंध को दर्शाती है। दोनों देश मिलकर अपने संबंध को मजबूत करने और सहयोग के बेहतर रास्ते तलाशेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह यात्रा दोनों देशों के मध्य विभिन्न पहलुओं को जानने और संबंधों को बरकरार रखने का मौका है। यात्रा बहुआयामी द्विपक्षीय संबंध और लोगों के साथ संबंध गहरा करने पर जोर देगी। बता दें कि हाल ही में मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया था। वहीं विदेश मंत्री एस जयशंकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के बाद पहली बार मॉरीशस गए हैं।

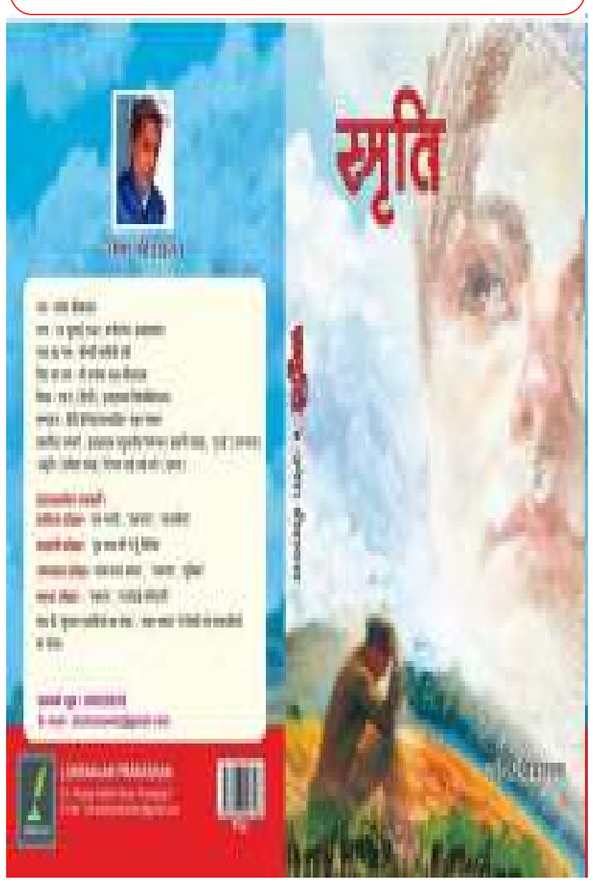

एस. लाल एण्ड सन्स मेडिकल्स
OPD
नेत्र रोग विशेषज्ञ
डा. आर.के. श्रीवास्तव
समय - 10 बजे से 1 बजे तक,
दिन - सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार, (निःशुल्क परामर्श - शनिवार, रविवार)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. शिखा माथुर
प्रतिदिन - दोपहर 1 से 3 बजे तक
जनरल फिजिशियन
डा. कार्तिकेय
समय - शाम 4 बजे से 8 बजे तक। दिन - प्रतिदिन
पता - 18B, म्योर रोड, जहाज चौराहा, प्रयागराज
Mob.: 9151121918, 9140445768

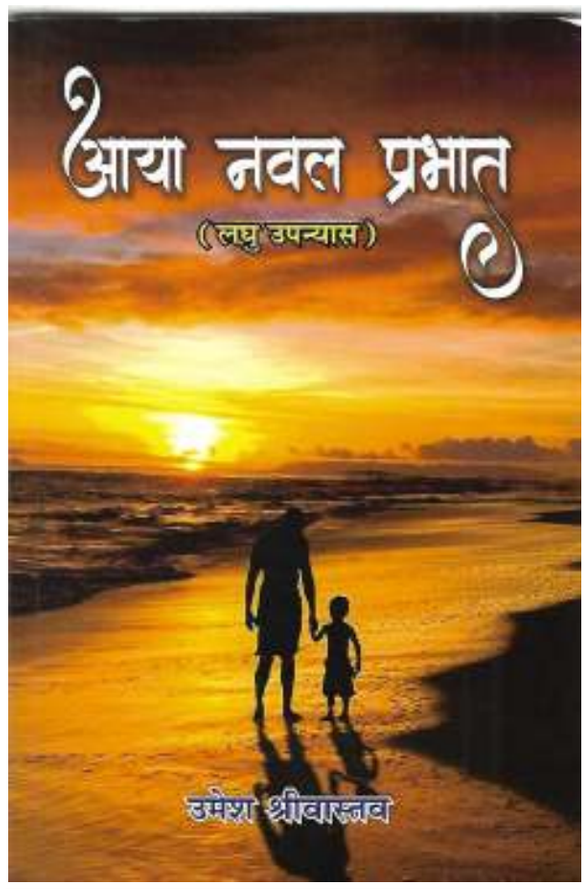

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

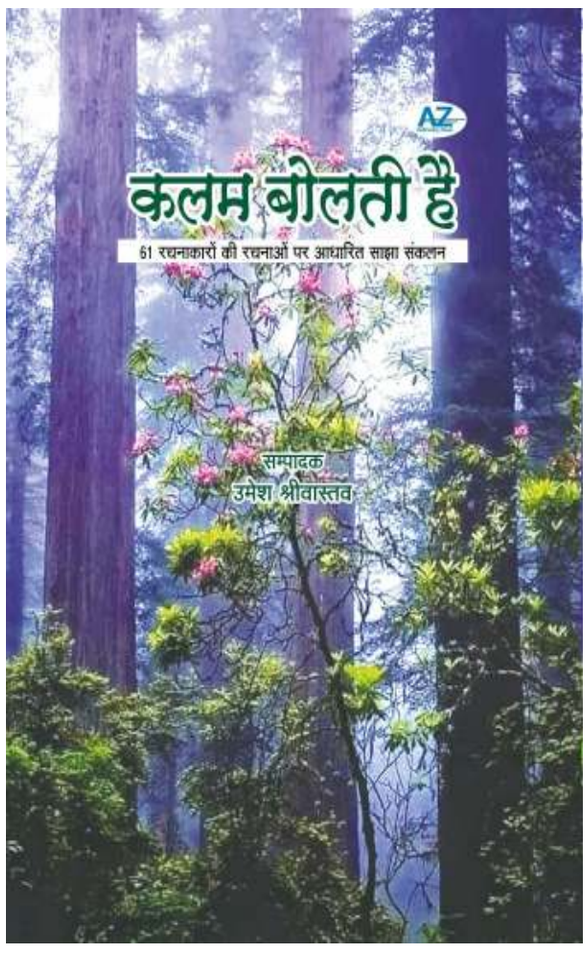

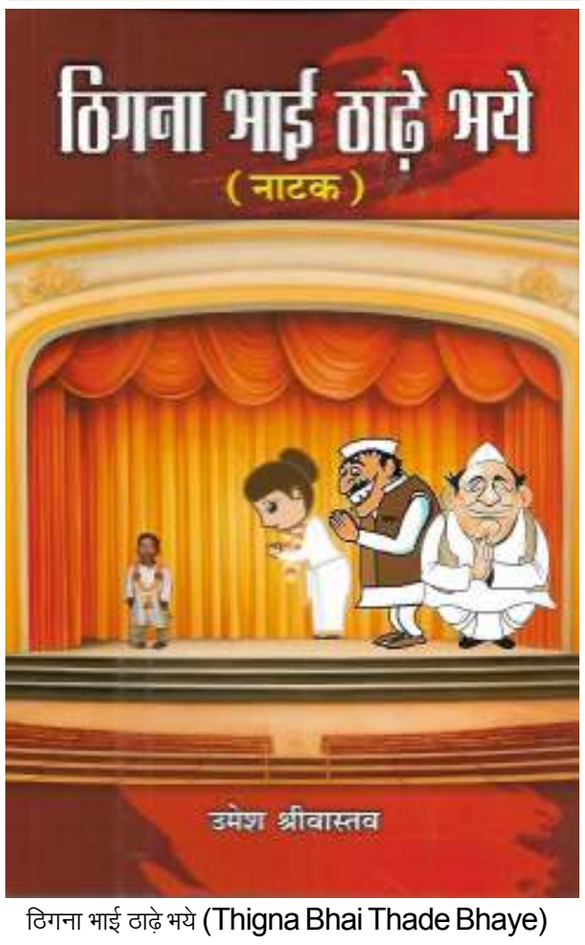

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

कभी ट्रंप को बुलाया बेवकूफ-हिटलर, अब उन्हीं के साथ उपराष्ट्रपति पद की दौड़ में जेडी वैंस, जानें सियासी सफर

वॉशिंगटन। अमेरिका में इसी साल नवंबर में होने वाले आम चुनाव में ओहियो के सीनेटर जेडी वैंस भी अपनी किस्मत आजमाएंगे। रिपब्लिकन नेता और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वैंस को उपराष्ट्रपति पद का प्रत्याशी चुना है। 39 वर्षीय वैंस की शादी भारतवंशी उषा चिलुकुरी वैंस से हुई है। उषा आंध्र प्रदेश की मूल निवासी हैं। 39 वर्षीय जेडी वैंस कभी ट्रंप के कटु आलोचक थे, लेकिन अब वे पूर्व राष्ट्रपति के कट्टर समर्थकों में से एक बन गए हैं। आइए इनके सियासी सफर पर एक नजर डालते हैं। करीब आठ साल पहले जब साल 2016 में राष्ट्रपति चुनाव हुआ था, उस समय जेडी वैंस ने डोनाल्ड ट्रंप की जमकर आलोचना की थी। उन्होंने सार्वजनिक रूप से रिपब्लिकन नेता को बेवकूफ बुलाया था। वहीं, उनकी तुलना एडॉल्फ हिटलर से कर दी थी। मगर आज समय का फेर देखिए, जो शख्स डोनाल्ड ट्रंप की बुराई करते नहीं थक रहा था, वो आज उनके रनिंग मेट यानी उपराष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।